सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–59 • संपादक आलोक तिवारी • दुर्ग, शुक्रवार 20 मार्च 2026 • पृष्ठ 08 • मूल्य –2 रुपए,

सु-विचार

कद बढ़ा नहीं करते एडियाँ उठाने से, ऊँचाईयाँ तो मिलती है सर झुकाने से
अज्ञात...

UNITED STUDIES
MBBS CONSULTANTS
MBBS ADMISSIONS (INDIA & ABROAD)
99933-26455 / 97553-66243
235, 236, 2nd Floor, Ghasidas Plaza, Aamapara, GE Road, Raipur, CG 492001

छत्तीसगढ़ राज्य में सफेद जहर का जाल : रायगढ़ में मिला

नई दृष्टिबिंदु/रायगढ़

दुर्ग और बलरामपुर के बाद अब रायगढ़ जिले से चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां तमनार ब्लॉक के आमाघाट क्षेत्र में एक किसान के खेत में अफीम की फसल लहलहाती हुई पाई गई है।

जानकारी मिलते ही प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि किसान ने करीब एक एकड़ जमीन पर अफीम की खेती कर रखी थी, जो अब जांच के घेरे में है।

सूचना मिलते ही हरकत में प्रशासन

मामले की भनक लगते ही पुलिस और जिला प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गया। रायगढ़ से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) सहित प्रशासनिक टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। खेत की जांच और फसल के सत्यापन की कार्रवाई शुरू की जा रही है।

लगातार बढ़ते मामले, सवालों के घेरे में निगरानी

गौरतलब है कि इससे पहले दुर्ग और बलरामपुर जिले में भी अफीम की खेती पकड़ी जा चुकी है। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने प्रशासनिक निगरानी और खुफिया तंत्र पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कितना बड़ा नेटवर्क? जांच के बाद होगा खुलासा

प्रारंभिक तौर पर इसे एक किसान का मामला बताया जा रहा है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क भी सक्रिय हो सकता है। अब सबकी नजर प्रशासन की जांच पर टिकी है।

निगम भिलाई का विशेष बजट सम्मिलन 25 मार्च को आयोजित

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई का वार्षिक बजट महापौर परिषद की बैठक में दिनांक 17 मार्च 2026 को प्रस्तुत किया गया। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने महापौर नीरज पाल के समक्ष आगामी वित्तीय वर्ष का बजट प्रस्तुत किया। बैठक में बजट के विभिन्न प्रावधानों और शहर के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर महापौर परिषद में चर्चा की गई। जिसमें निगम प्रशासन द्वारा बजट में शहर के आधारभूत ढांचे, सफाई व्यवस्था, जल आपूर्ति एवं अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। प्रस्तुत बजट पर विस्तृत चर्चा के लिए विशेष बजट सत्र का आयोजन दिनांक 25 मार्च 2026 को किया जाएगा। इस सत्र में पार्षदों द्वारा बजट के विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श कर आवश्यक सुझाव दिये जायेगें।

बस्तर की वादियों में गूँजेगी बदलाव की नई आहट

खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने 25 लाख रुपये की पुरस्कार की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-भिलाई

बस्तर में आपका स्वागत है, जहाँ विरासत जीवंत है और प्रकृति साँस लेती है। बस्तर हेरिटेज मैराथन में प्राचीन वन, जीवंत आदिवासी संस्कृति और मनमोहक परिदृश्य समाहित हैं। धावक साल के पेड़ों से घिरे सुरम्य मार्गों और प्राचीन गाँवों से गुजरेंगे, और हर कदम पर बस्तर की सुंदरता का अनुभव करेंगे। छत्तीसगढ़ के बस्तर में रोमांच और प्रकृति के बीच एक खास आयोजन होने जा रहा है। 22 मार्च 2026 को बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देशभर के धावक हिस्सा ले सकेंगे। इस मैराथन की शुरूआत जगदलपुर के लाल बाग मैदान से होगी और फिनिश लाइन एशिया के नियाग्रा कहे जाने वाले चित्रकोट जलप्रपात पर होगी। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की गई है।

बस्तर की शांत वादियों में इस बार केवल प्रकृति का संगीत नहीं, बल्कि बदलाव और विकास के संकल्प की एक अभूतपूर्व गूँज सुनाई देने वाली है। इस मैराथन की सबसे गौरवशाली और मानवीय तस्वीर उन आत्म–समर्पित माओवादियों के रूप में उभर कर सामने आ रही है, जो कभी दुर्गम जंगलों के अंधेरों में भटकते थे, लेकिन अब समाज की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा बनकर इस खेल महाकुंभ में अपनी शारीरिक शक्ति और जीवटता का परिचय देने को

बेताब हैं। हिंसा का मार्ग त्याग कर शांति की राह चुनने वाले इन युवाओं का यह उत्साह इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि बस्तर अब पुराने संघर्षों के साये से बाहर निकलकर खेल, साहस और शौर्य के वैश्विक मंच पर अपनी एक नई और सकारात्मक पहचान गढ़ रहा है।

दंतेवाड़ा के लोन वरार्टू (घर वापस आइए) अभियान और पूना मारगेमह्व (पुनर्वास से पुनर्जीवन) जैसे प्रभावी पुनर्वास कार्यक्रमों के माध्यम से दर्जनों पूर्व नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में शामिल होने का ऐतिहासिक फैसला किया है। शासन की कल्याणकारी पुनर्वास नीति के तहत ये युवा अब अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग कर रहे हैं और जंगल की संकरी पगडंडियों पर छिपने के बजाय मैराथन की फिनिशिंग लाइन को छूने का लक्ष्य लेकर कड़ी ट्रेनिंग ले रहे हैं।

स्थानीय खेल मैदानों में आयोजित अभ्यास सत्रों के दौरान इन युवाओं का जोश देखते ही बनता है, जहाँ पसीने से तर–बतर चेहरे और दृढ़ संकल्प वाली आँखें बस्तर के बदलते स्वरूप की गवाही दे रही हैं। प्रशिक्षकों का मानना है कि इन युवाओं में अदम्य साहस और बेमिसाल स्टेमिना है, जिसे अब आधुनिक रनिंग तकनीकों के माध्यम से तराशा जा रहा है ताकि वे न केवल दौड़ें, बल्कि जीत का परचम भी लहरा सकें। इस बदलाव का मानवीय पक्ष तब और उभर कर आता है जब शिविर की महिला प्रतिभागी भावुक होकर बताती हैं कि डर के साये से निकलकर अब उन्हें समाज में सम्मान और सुरक्षा मिल रही है। यह अनूठी पहल केवल खेल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जंगल की हिंसा और भटकाव को पीछे छोड़कर एथलेटिक्स में करियर बनाने का एक सुनहरा अवसर है। अनुभवी कोचों द्वारा दी जा रही प्रोफेशनल ट्रेनिंग इन युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बना रही है, जिससे वे स्थानीय समुदाय के साथ जुड़कर एक नई पहचान तलाश रहे हैं। अंततः यह प्रयास बस्तर में शांति, विश्वास और प्रगति का एक सशक्त संदेश दे रहा है, जहाँ पूरा दंतेवाड़ा इन युवाओं के हौसले को सलाम करते हुए मैराथन के ट्रैक पर उनकी ऐतिहासिक जीत की राह देख रहा है। इस मैराथन के माध्यम से ये पूर्व माओवादी न केवल अपनी दमखम का प्रदर्शन करेंगे, बल्कि पूरी दुनिया को यह संदेश भी देंगे कि यदि सही दिशा और अवसर मिले, तो बस्तर का हर हाथ राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण सहभागी बन सकता है।

हर स्तर के रनर्स ले सकेंगे भाग

इस मैराथन में 42 कि.मी., 21 कि.मी., 10 कि.मी. और 5 कि.मी. जैसी अलग–अलग कैटेगरी रखी गई हैं, ताकि हर स्तर के रनर्स इसमें भाग ले सकें। प्रतियोगिता में 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी रखी गई है और बस्तर संभाग के धावकों के लिए अलग से पुरस्कार की व्यवस्था की गई है। यह आयोजन बस्तर की प्राकृतिक खूबसूरती, संस्कृति और खेल भावना को एक साथ जोड़ने का खास मौका बनने जा रहा है। बस्तर की फिजाओं में अब हिंसा के बारूद की नहीं, बल्कि उम्मीदों और सपनों की उड़ान की खुशबू तैर रही है। कभी जिन हाथों में बंदूकें हुआ करती थीं और जो पैर घने जंगलों की खाक छानते थे, वे अब बस्तर मैराथन के ट्रैक पर अपनी किस्मत आजमाने और एक नई पहचान बनाने को पूरी तरह तैयार हैं।

हॉर्मुज तनाव के बीच भारत की बड़ी सफलता 46 हजार मीट्रिक टन गैस लेकर मुंद्रा पहुंचा जहाज

मुंद्रा/भिलाई

ईरान–इजराइल तनाव के बीच वैश्विक समुद्री मार्गों पर बढ़े खतरे के बावजूद भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। भारत के दो जहाज एलपीजी टैंकर के साथ सुरक्षित रूप से हॉर्मुज जलडमरूमध्य पार कर देश पहुंचे, जिनमें से एक जहाज सोमवार को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचा। शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के इस विशालकाय जहाज ह्यशिवालिक पर करीब 46,000 मीट्रिक टन एलपीजी लदा हुआ था। जहाज का संचालन कप्तान सुखमित सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिसमें कुल 27 क्रू मेंबर्स लगातार चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्यरत रहे।

भिलाई में पढ़े सेकंड इंजीनियर अंश त्रिपाठी की भूमिका, दोस्त ने जताया गर्व

इस मिशन में खास बात यह रही कि जहाज पर सेकंड इंजीनियर के रूप में कार्यरत अंश त्रिपाठी, जिन्होंने बीआईटी दुर्ग से शिक्षा प्राप्त की है, ने भी अहम भूमिका निभाई। मूल रूप से जमशेदपुर के निवासी अंश त्रिपाठी की इस उपलब्धि से भिलाई का नाम भी गौरवान्वित हुआ है।

अंश के सुरक्षित भारत लौटने पर उनके मित्र एवं भिलाई के पूर्व पार्षद कुलेश्वर प्रसाद (रिंकू साहू) ने खुशी जताते हुए कहा कि यह गर्व का विषय है कि भिलाई में पढ़े युवा देश–विदेश में जाकर राष्ट्र सेवा में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने फोन पर अंश से बात कर उनका हालचाल जाना और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रिंकू साहू ने कहा कि मौजूदा वैश्विक तनाव के बीच इस तरह का सुरक्षित ऑपरेशन भारतीय समुद्री शक्ति और हमारे नौसैनिक व व्यापारी बेड़े की दक्षता को दशार्ता है।

यह सिर्फ एक जहाज की वापसी नहीं, बल्कि कठिन हालात में देश की आपूर्ति और सम्मान को सुरक्षित रखने की मिसाल है।

GOSWWAMI FLEX PRINTING
ADVERTIZER
भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा
Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing • One Way Vision • Glow Sign Board
93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address - 3rd Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

हिन्दू नववर्ष पर सेक्टर 09 चौक में लहराया विशाल भगवाध्वज

हजारों की संख्या में युवाओं ने भगवा रैली में दी सहभगिता

नाई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर। हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत 2083 के पावन अवसर पर श्रीराम जन्मोत्सव समिति भिलाई द्वारा आज सेक्टर–09 चौक में भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशाल भगवा ध्वजारोहण किया गया, सामूहिक रूप से श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और श्रद्धालुओं ने मिलकर भव्य महाआरती की। आयोजन स्थल पर उमड़े जनसैलाब ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और ऊजार्वान बना दिया। कार्यक्रम पश्चात समिति के सदस्यों एवं पदाधिकारियों द्वारा हनुमान मंदिर सेक्टर 09 में बजरंग बली का आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत सिविक सेंटर से निकली विशाल भगवा रैली से हुई। इस रैली में विभिन्न प्रखंडों से आए श्रीराम भक्तों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भगवा ध्वजों और जयघोष से पूरा मार्ग गूंज उठा। रैली में नगर के अनेक सामाजिक संगठनों के सदस्य भी शामिल हुए, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से आयोजन को और अधिक भव्य बना दिया। रैली के दौरान श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के नारों से वातावरण को धर्ममय कर दिया। रैली पश्चात सेक्टर–09 चौक पर विशाल भगवा ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के साथ ही श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। हजारों की संख्या में उपस्थित भक्तों ने एक स्वर में चालीसा का पाठ कर आस्था और ऊर्जा का अद्वितीय संगम प्रस्तुत किया। इसके बाद भव्य महाआरती संपन्न हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर प्रभु श्रीराम और हनुमान जी के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की।

इस अवसर पर समिति के युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने सभी को हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि हिन्दू नववर्ष केवल कैलेंडर का बदलाव नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिकता का उत्सव है। उन्होंने बताया कि श्रीराम जन्मोत्सव समिति पिछले 40 वर्षो से लगातार श्रीरामनवमी महाउत्सव का आयोजन करती आ रही है, जो आज भिलाई ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में आस्था और एकता का प्रतीक बन चुका है। श्री पाण्डेय ने कहा कि समिति का उद्देश्य समाज में एकता, आस्था और संस्कृति का संदेश देना है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि वे इस आयोजन में शामिल होकर अपनी ऊर्जा और उत्साह से वातावरण को और अधिक भव्य बनाएँ।

कार्यक्रम को समिति के प्रांतीय महामंत्री श्री बुद्धन ठाकुर ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को जोड़ने और युवाओं को अपनी संस्कृति से जोड़ने का माध्यम हैं। श्री ठाकुर ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे आगामी श्रीरामनवमी महाउत्सव में भी अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे भव्यता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की परंपराओं को जीवंत बनाए रखना ही समिति का संकल्प है।

आयोजन में नगरवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य, युवा और महिलाएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सामूहिक हनुमान चालीसा और महाआरती के दौरान श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर वातावरण को आलोकित कर दिया। आयोजन स्थल पर भक्तिमय संगीत और भजन गूंजते रहे, जिससे पूरा चौक आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया।

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का E-Paper भी तैयार है। प्रतिदिन शाम 4:00 बजे पेपर नई दृष्टिबिंदु के गुगल के साइट Nayi Drishtibindu पर अपलोड हो जाता है। सभी पाठकों से आग्रह है कि प्रतिदिन शाम 4:00 बजे साइट पर Nayi Drishti bindu E-Paper सर्च कर ई पेपर देख सकते हैं।
Google
NAYI DRISHTIBINDU E-PAPER
शाम 4 बजे से पढ़े

सार संक्षेप

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड मुश्किल में, नई सरकार करेगी जांच

ढाका : बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का टी-20 विश्व कप 2026 से बाहर रहने का फैसला एक बार फिर से चर्चा में है। बांग्लादेश की नई सरकार ने इस मामले की जांच शुरू करने का फैसला लिया है। युवा एवं खेल राज्य मंत्री अमीनुल इस्लाम ने कहा है कि ईद के बाद एक नई जांच कमेटी गठित की जाएगी। यह कमेटी इस बात की पड़ताल करेगी कि क्या भारत और श्रीलंका में आयोजित इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला स्पोर्ट्स डिप्लोमेसी में विफलता का नतीजा था। मंत्री अमीनुल इस्लाम ने कहा कि सरकार यह समझना चाहती है कि क्या यह स्थिति टाली जा सकती थी। उन्होंने कहा कि हमें यह गहराई से जांचना होगा कि हम विश्व कप में हिस्सा क्यों नहीं ले पाए और हमारी स्पोर्ट्स डिप्लोमेसी में कमी कहां रह गई। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ टूर्नामेंट तक सीमित नहीं है, बल्कि बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय खेल संबंधों और निर्णय लेने की प्रक्रिया में मौजूद कमियों को भी उजागर करता है। सरकार इस जांच को बीसीबी के हालिया चुनावों में कथित अनियमितताओं से जोड़कर भी देख रही है। मंत्री के मुताबिक क्लब और जिला स्तर के कई स्टेकहोल्डर्स ने शिकायतें दर्ज कराई हैं, जिनकी जांच पहले से चल रही है। बीसीबी ने हाल ही में मंत्रालय से पिछली जांच बंद करने की अपील की थी, लेकिन इसके ठीक अगले दिन नई जांच की घोषणा ने बोर्ड और सरकार के बीच बढ़ते तनाव को उजागर कर दिया है।

रियल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी को किया बाहर

नई दिल्ली : यूरोप के सबसे बड़े क्लब टूर्नामेंट यूईएफए चैंपियंस लीग में खेले गए मुकाबलों में कई बड़े उलटफेर देखने को मिले। रियल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया, जबकि आर्सेनल और पेरिस सेंट-जर्मेन ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। रियल मैड्रिड के लिए विनीसियस जूनियर हीरो बनकर उभरे। विनीसियस ने 2 गोल मारते हुए टीम की जीत पक्की की। उन्होंने शुरुआती बढ़त दिलाई और फिर इंजरी टाइम (93वें मिनट) में दूसरा गोल कर मुकाबला खत्म कर दिया। मैनचेस्टर सिटी की तरफ से एकमात्र गोल एर्लिंग हालैंड ने 41वें मिनट में लगाया। रियल मैड्रिड ने 2-1 से मैच जीता। इस हार के साथ पेप गार्डियोला की टीम लगातार तीसरे सीजन में मैड्रिड के हाथों बाहर हो गई। ब्राजीलियन ने मैड्रिड को उस समय बढ़त दिलाई जब बर्नार्डो सिल्वा को अपने ही बॉक्स के अंदर बॉल हैंडल करते हुए पाया गया। इसका मतलब यह भी था कि होम टीम के खिलाड़ी घटकर 10 रह गए। विनी जूनियर ने सिटी के फैंस से बदला लिया और रोते हुए जश्न मनाया। जीत के बाद विनीसियस ने कहा कि पिछली बार जब हम यहां आए थे, तो मैनचेस्टर सिटी के फैंस मेरा मजाक उड़ा रहे थे। मैं सिटी फैंस की बेइज्जती नहीं कर रहा था, लेकिन यह मेरे लिए उन्हें खुद को साबित करने का एक तरीका था। दूसरे मुकाबले में आर्सेनल ने बायर लेवरकुसेन को 2-0 से हराया और कुल स्कोर 3-1 से जीत दर्ज की। एबेरेची एजे ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि डेक्लान राइस ने दूसरा गोल कर जीत सुनिश्चित की।

अबरार अहमद पर गावस्कर की टिप्पणी का पाक मूल के क्रिकेटर ने दी प्रतिक्रिया

वेल्स : इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा संचालित 'द हंड्रेड' में सनराइजर्स लीड्स द्वारा पाकिस्तानी गेंदबाज अबरार अहमद को खरीदे जाने पर विवाद थमता हुआ नहीं दिख रहा है। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने सनराइजर्स के फैसले की आलोचना की थी। गावस्कर के बयान पर पाकिस्तानी मूल के क्रिकेटर अजीम रफीक ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया पर अजीम रफीक ने गावस्कर की टिप्पणी को मजाकिया और घटिया बताते हुए सवाल किया कि क्या गावस्कर ने अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी इसी तरह का रुख अपनाया है। मैदान पर हासिल की गई उपलब्धियां इस तरह के बयानों को सही नहीं ठहरा सकतीं। अजीम रफीक कराची में जन्में क्रिकेटर हैं, जो इंग्लैंड में रहते हैं। वह इंग्लैंड के लिए अंडर-19 स्तर पर खेल चुके हैं। घरेलू क्रिकेट में यॉर्कशायर, डर्बीशायर के लिए खेल चुके हैं। सनराइजर्स लीड्स द्वारा अबरार अहमद को खरीदे जाने के फैसले की सुनील गावस्कर ने आलोचना करते हुए एक कॉलम में लिखा था कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों को दिया गया पैसा टैक्स के जरिए पाकिस्तान सरकार तक पहुंचता है, जो अप्रत्यक्ष रूप से हथियारों की खरीद में इस्तेमाल हो सकता है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या किसी टूर्नामेंट को जीतना भारतीयों की जान से ज्यादा महत्वपूर्ण है। गावस्कर ने लिखा था कि टीम के हेड कोच डेनियल विटोरी शायद इस संवेदनशील मुद्दे को पूरी तरह नहीं समझते, लेकिन इसकी जिम्मेदारी फ्रेंचाइजी मालिकों पर आती है। द हंड्रेड 2026 के लिए नीलामी में सनराइजर्स लीड्स द्वारा पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को करीब 1.9 लाख पाउंड (लगभग 2.34 करोड़ रुपये) में साइन किया गया। भारत में इस फैसले का काफी विरोध हुआ है।

हैदराबाद के शुरूआती मैचों में कप्तानी करेंगे किशन

अभिषेक उपकप्तान होंगे, टीम मैनेजमेंट ने कहा-चोटिल कमिंस के फिट होने तक जिम्मेदारी

हैदराबाद, एजेंसी : सनराइजर्स हैदराबाद ने ईशान किशन को आईपीएल 2026 के शुरूआती मुकाबलों के लिए कप्तान बनाया है। वे टीम के रेग्युलर कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में टीम की कमान संभालेंगे। टीम को 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के घर में आईपीएल सीजन का पहला मैच खेलना है।

सनराइजर्स की फ्रेंचाइजी ने बुधवार को सोशल प्लेटफार्म पोस्ट के लिए फैंस को यह जानकारी दी। फ्रेंचाइजी ने लिखा कि पैट कमिंस चोट से उबरने के दौरान कुछ मैच मिस करेंगे। उनके पूरी तरह फिट होने तक ईशान किशन टीम के कप्तान और अभिषेक शर्मा उप-कप्तान होंगे हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस बैक इंजरी से उबर रहे हैं। वे चोट के कारण शुरूआती मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। कमिंस को यह चोट 2025-26 एशेज सीरीज से पहले लगी थी। शुरूआत में माना जा रहा था कि वे पूरी सीरीज मिस करेंगे,लेकिन उन्होंने एक टेस्ट खेला और फिर दोबारा टीम से बाहर हो गए। ईशान किशन ने अपनी कप्तानी में झारखंड को पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब दिलाया है। कप्तानी के साथ-साथ ईशान बल्ले से भी बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने उस टूर्नामेंट में 197.33 की स्ट्राइक रेट से सबसे ज्यादा 517 रन बनाए थे। इसी अनुभव के दम पर वे कप्तानी की रेस में अभिषेक शर्मा से आगे हैं। हालांकि, पिछले आईपीएल सीजन में ईशान का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा था। उन्होंने टीम के लिए पहले मैच में शतक लगाया था और सीजन के आखिर में नाबाद 94 रन की पारी भी खेली थी,लेकिन बीच में वे लगातार रन नहीं बना पाए थे।पिछले आईपीएल सीजन में ईशान थोड़े इनकंसिस्टेंट थे, लेकिन पिछले एक महीने में उन्होंने अपनी फॉर्म से सभी आलोचकों को जवाब दिया है।सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार खेल के बाद उनकी टीम इंडिया के टी-20 स्क्वॉड में वापसी हुई। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज और 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में कुल 532 रन बनाए। वर्ल्ड कप जीतने में भी ईशान ने अहम भूमिका निभाई,जहां उनका स्ट्राइक रेट 207 का रहा। पैट कमिंस के बिना हैदराबाद की बॉलिंग यूनिट थोड़ी कमजोर नजर आ रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईशान के लिए सबसे बड़ी चुनौती गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करना होगी। हालांकि टीम के पास कुछ अच्छे विकल्प हैं।

भारतीय बल्लेबाज सैमसन बड़ी उपलब्धि के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी : टी-20 विश्व कप 2026 में संजू सैमसन भारतीय टीम के लिए सबसे बड़े हीरो के रूप में उभरे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जैसे मुकाबले में नाबाद 97, इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89, और न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 89 रन बनाकर सैमसन ने भारतीय टीम को चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। सैमसन की नजर अब आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन पर है। उनका यही फॉर्म बरकरार रहा तो आईपीएल 2026 में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। यह उपलब्धि विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में सिर्फ एमएस धोनी के नाम हैं। एमएस धोनी आईपीएल इतिहास के एकमात्र ऐसे विकेटकीपर बल्लेबाज हैं जिनके नाम 5,000 या उससे ज्यादा रन हैं। धोनी ने 2008 से 2025 के बीच 278 मैचों की 242 पारियों में 24 अर्धशतक की मदद से 5,439 बनाए हैं। केएल राहुल के 5,000 से ऊपर रन हैं, लेकिन उन्होंने आईपीएल करियर में हर मैच में बतौर विकेटकीपर नहीं खेला है। संजू आईपीएल में 5,000 रन पूरा करने और धोनी के विशेष क्लब में शामिल होने के बेहद करीब है। सैमसन ने 2013 से 2025 के बीच 177 मैचों की 172 पारियों में 3 शतक और 26 अर्धशतक लगाते हुए 4,704 रन बनाए हैं।

खिताब डिफेंड करने बेंगलुरु पहुंचे किंग कोहली

● बेंगलुरु, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली आईपीएल 2026 के लिए टीम से जुड़ गए हैं। कोहली बुधवार सुबह बेंगलुरु पहुंचे। टीम मैनेजमेंट, खिलाड़ियों और फैंस को कोहली का बेसब्री से इंतजार था।

बेंगलुरु पहुंचने से पहले कोहली लंदन में ही अभ्यास कर रहे थे। कोहली ने अपने अभ्यास की एक तस्वीर भी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डाली थी जिसे आरसीबी ने अपने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म पर शेयर किया था। कोहली के टीम से जुड़ने के बाद अभ्यास सत्र में जोश और तेजी आएगी। आरसीबी आईपीएल 2026 में चैंपियन के रूप में उतरेगी। टीम का मुख्य लक्ष्य अपने खिताब का बचाव करना होगा। आरसीबी ने आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर अपना पहला खिताब जीता था। आरसीबी को चैंपियन बनाने में विराट कोहली का अहम योगदान रहा था।

फ्रेंचाइजी के लिए पारी की शुरुआत करने वाले विराट कोहली ने पिछले सीजन में 15 मैचों में 54.75 की औसत और 144.71 की स्ट्राइक रेट से 657 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 8 अर्धशतक निकले थे। कोहली ने 66 चौके और 19 छक्के भी लगाए थे। आरसीबी को अगर आईपीएल 2026 में अपने खिताब की रक्षा करनी है, तो इसमें विराट कोहली की भूमिका अहम होने वाली है। टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में एक बार फिर उनसे निरंतर बेहतर और प्रभावी प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। हालांकि, विराट कोहली आरसीबी के साथ पहले सीजन से जुड़े हुए हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता रहती है। लगभग हर साल वह टीम की तरफ से शीर्ष स्कोरर रहते हैं। कोहली लीग के इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाज हैं। उनके नाम सर्वाधिक रन और शतक का रिकॉर्ड है। कोहली ने 267 मैचों में 8 शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8,661 रन बनाए हैं। विराट 2013 से 2021 तक आरसीबी के कप्तान भी रहे हैं। कोहली की कप्तानी में आरसीबी 2016 का फाइनल खेली थी, लेकिन खिताब जीतने में सफल नहीं रही थी। आरसीबी ने पिछले सीजन अपना पहला खिताब रजत पाटीदार की कप्तानी में जीता था। आईपीएल 2026 में भी पाटीदार की कप्तानी और बल्लेबाजी पर आरसीबी फैंस की नजर रहेगी। आरसीबी और एसआरएच के बीच सीजन का पहला मैच 28 मार्च को खेला जाएगा।

आईपीएल: विराट रचेंगे इतिहास

● नई दिल्ली, एजेंसी

विराट कोहली सिर्फ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के ही किंग नहीं हैं। दुनिया की सबसे लोकप्रिय और सर्वश्रेष्ठ टी-20 लीग आईपीएल में भी उनके सामने कोई भी बल्लेबाज नहीं ठहरता है। आईपीएल के हर सीजन में कोई न कोई रिकॉर्ड बनाने वाले कोहली आगामी सीजन में भी एक अनोखी उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं।

विराट कोहली अगर आईपीएल के आगामी सीजन में 339 रन और बना लेते हैं, तो उनके कुल रनों की संख्या 9,000 हो जाएगी और लीग के इतिहास में 9,000 रन बनाने वाले वह पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। कोहली का पिछले तीन सीजन में औसत 53 से ऊपर रहा है। ऐसे में पूरी संभावना है कि आईपीएल 2026 में वह 9,000 रनों का आंकड़ा छू लेंगे। विराट ने साल 2023 में 53.25 की औसत से 639, 2024 में 61.75 की औसत से 741, और 2025 में 54.75 की औसत से 657 रन बनाए थे। कोहली के 2025 में किए गए प्रदर्शन का आरसीबी को चैंपियन बनाने में अहम योगदान रहा था। 2008 से आरसीबी के लिए खेल रहे विराट ने 267

इस सीजन में 339 रन बनाने पर विराट के पूरे होंगे 9000 रन

मैचों में 39.55 की औसत और 132.86 की स्ट्राइक रेट से 8 शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8,661 रन बनाए हैं। विराट लीग में 8,000 रन पूरा करने वाले भी एकमात्र बल्लेबाज हैं। साथ ही, लीग में सर्वाधिक शतक का रिकॉर्ड भी उनके नाम ही है। लीग के दूसरे सफल बल्लेबाज रोहित शर्मा हैं। रोहित ने 272 मैचों की 267 पारियों में 2 शतक और 47 अर्धशतक लगाते हुए 7,046 रन बनाए हैं। शतक के मामले में जोस बटलर दूसरे नंबर पर हैं। इंग्लैंड के इस पूर्व कप्तान के नाम आईपीएल में 7 शतक हैं। बटलर के पास इस सीजन शतकों के मामले में कोहली से आगे निकलने का मौका होगा। विराट अंतरराष्ट्रीय टी-20 से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में इस फॉर्मेट में उन्हें देखने का एकमात्र जरिया आईपीएल है। इसलिए विराट के फैंस आईपीएल के शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

लीजेंड्स के बीच पहचान मिलना बेहद खास : शुभमन

● मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के वनडे और टेस्ट फॉर्मेट के कप्तान शुभमन गिल को हाल ही में बीसीसीआई द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'नमन अवॉर्ड्स' में बेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेटर (पुरुष) के लिए प्रतिष्ठित पॉली उमरीगर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

शुभमन गिल ने सम्मान के लिए बीसीसीआई का आभार जताते हुए कहा कि पूर्व में इस सम्मान को हासिल कर चुके कुछ लेजेंड्स और आदर्श खिलाड़ियों के बीच सम्मानित होने से यह उपलब्धि और भी खास हो गई। बीसीसीआई द्वारा एक्स पर साझा की गई वीडियो में शुभमन गिल ने कहा कि उन लेजेंड्स और आइडल्स के बीच पहचान मिलना बहुत अच्छा लगता है जिन्होंने मुझसे पहले यह अवॉर्ड जीता है। यह सच में एक बहुत बड़ा सम्मान है जब आप हर बार मैदान पर उतरते हैं और अपने देश का उस खेल में प्रतिनिधित्व करते हैं। उस खेल में अच्छा करना और बीसीसीआई से पहचान मिलना बहुत बड़ा सम्मान है। पिछले साल की इंग्लैंड टेस्ट सीरीज को याद करते हुए

गिल ने कहा कि मुझे लगता है कि यह अब तक का एक शानदार सफर रहा है। इंग्लैंड सीरीज में जाना और पहले टेस्ट मैच के बाद जहा हम थे, वहां से सीरीज ड्रॉ कराना, और उसके बाद भी, वेस्टइंडीज और एशिया कप में खेलना, यह सच में एक शानदार साल रहा है। गिल को ये पुरस्कार मिलने में इंग्लैंड दौरे का अहम रोल रहा था। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज की दस पारियों में उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 4 शतक निकले थे।

बीएसएफ की हीरक जयंती पर 19 अप्रैल को दौड़ेगा उत्तराखंड

देहरादून : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) अपने स्थापना के गौरवशाली 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्ष 1965-2025 को 'हीरक जयंती उत्सव' के रूप में मना रहा है। देश की सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों में अग्रणी रहने वाला बीएसएफ इस खास अवसर पर उत्तराखंड के युवाओं को स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूक करने जा रहा है। इसी कड़ी में आगामी 19 अप्रैल 2026 को देहरादून के रायपुर स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक भव्य मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। सीमा सुरक्षा बल साहसिक प्रशिक्षण संस्थान, डोईवाला द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को 'हम फिट तो इंडिया फिट' मुहिम के तहत भारतीय खेल प्राधिकरण (रअक) के सहयोग से संपन्न कराया जा रहा है।

काकड़ा की बेटी ने महिला विश्व कप कबड्डी में जीता था स्वर्ण

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित, गाजियाबाद में मुख्य आरक्षी के पद पर तैनात हैं अनु सेन

मुजफ्फरनगर : जिले के काकड़ा गांव की बेटी अनु सेन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला विश्व कप कबड्डी में स्वर्ण पदक जीतकर न केवल जनपद का, बल्कि पुलिस विभाग का भी गौरव बढ़ाया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने इस शानदार उपलब्धि पर अनु को अपने कार्यालय बुलाकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया।

काकड़ा निवासी नीरज कुमार की पुत्री और अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी अनु सेन ने नवंबर 2025 में आयोजित महिला विश्व कप कबड्डी में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। अनु अपनी खेल प्रतिभा के दम पर वर्तमान में खेल कोटे से गाजियाबाद में मुख्य आरक्षी (हेड कांस्टेबल) के पद पर तैनात हैं। बुधवार को

अनु सेन को सम्मानित करते एसएसपी।

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक और समाजसेवी अशोक बालियान अनु को साथ लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के कार्यालय पहुंचे और उनसे परिचय कराया। जिले की होनहार बेटी की इस उपलब्धि को जानकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक काफी प्रसन्न नजर आए। उन्होंने अनु को इस बड़ी सफलता और पुलिस विभाग में शानदार सफर के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से मुजफ्फरनगर का नाम रोशन किया है।

टी-२० रैंकिंग में अभिषेक शीर्ष पर बरकरार

वनडे ऑलराउंडर्स की लिस्ट में दूसरे पायदान पर मिराज, टी-20 रैंकिंग में सैंटनर की छलांग

● दुबई, एजेंसी

बांग्लादेशी कप्तान हसन मिराज ने वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। मिराज ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई घरेलू वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया, जिसका फायदा उन्हें वनडे रैंकिंग में मिला है। मेहदी वनडे ऑलराउंडर्स की लिस्ट में दो स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

मेहदी हसन मिराज ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले वनडे मैच में 29 रन देकर 3 विकेट हासिल किए थे। इसके बाद अगले मैच में 34 रन देकर 2 विकेट निकाले। मेहदी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में 9 पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 7वें पायदान पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के मुख्य बल्लेबाज तंजीद हसन ने पाकिस्तान के खिलाफ 107 रन की पारी खेली थी। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक था। इस शतकीय पारी के साथ हसन 31 पायदान ऊपर चढ़कर 55वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, लिटन दास 10 स्थान ऊपर चढ़कर 82वें पायदान पर आ गए हैं। गेंदबाजों में, तस्कीन अहमद 12 पायदान ऊपर चढ़कर 28वें स्थान पर पहुंच गए और मुस्तफिजुर रहमान 13 स्थान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर पहुंच गए। सीरीज हारने के बावजूद, पाकिस्तानी बल्लेबाज सलमान अली आगा 9 पायदान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने वनडे ऑलराउंडर्स में भी तीन स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 10वां स्थान हासिल किया। गेंद से योगदान देने के बाद शाहीन शाह अफरीदी चार स्थान ऊपर चढ़कर वनडे ऑलराउंडर्स की लिस्ट में संयुक्त रूप से 25वें स्थान पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टी-20 रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुधार किया है। उन्होंने आईसीसी मेंस टी-20 विश्व कप से अपनी शानदार फॉर्म को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही घरेलू सीरीज में भी जारी रखा। सेंटनर ने पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों में तीन विकेट लिए और 35 रन बनाए। वह टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 11 पायदान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए। वह टी-20 ऑलराउंडर्स की सूची में भी दो स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 7वें स्थान पर पहुंच गए और अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की। लॉकी फर्ग्यूसन टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में 18 पायदान ऊपर चढ़कर 51वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि डेवोन कॉनवे बल्लेबाजों में चार स्थान ऊपर चढ़कर 70वें स्थान पर पहुंच गए। भारत के अभिषेक शर्मा टी-20 बैटिंग रैंकिंग में टॉप पर बने हुए हैं। इस बीच, दक्षिण अफ्रीका की रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। जॉर्ज लिंडे टी-20 ऑलराउंडर्स की लिस्ट में 11 पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए। उनके साथी तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 23 पायदान की छलांग लगाकर 73वें स्थान पर पहुंच गए।

जोक्स

मजाक

लड़काः तुम बहुत खूबसूरत हो।
लड़कीः ओह जानू।
लड़काः तुम तो बिल्कुल परियों जैसी हो।
लड़कीः सच में?
लड़काः हां।
लड़कीः और क्या कर रहे हो अभी?
लड़काः मजाक।

जन्मतिथि

संताः यार मेरे बोर्ड के एग्जाम शुरू होने वाले हैं।
बंताः अबे तो डरता क्यों है?
संताः सब बोलते हैं दसवीं का एग्जाम ही सबसे इम्पोर्टेन्ट है।
बंताः अबे ज्यादा टेंशन मत ले, 10 वीं की मार्कशीट तो बस जन्मतिथि देखने के काम ही आती है।

उदास

संता जूस सामने रखकर उदास बैठा था।
बंताः यार तू उदास क्यों है?
संताः यार आज का दिन ही बुरा है।
सुबह-सुबह बीवी से झगड़ा हो गया,
रास्ते में कार खराब हो गई तो
ऑफिस लेट पहुंचा तो बॉस ने नौकरी से निकाल दिया
और अब जब जिंदगी से तंग आकर मैंने आत्महत्या
करने के लिए जूस में जहर मिलाया तो वो भी तू पी गया।
अब बता मैं उदास ना होऊं तो क्या करूं?

पेट्रॉल

पप्पू पेट्रॉल पंप परः अरे भाई, जरा एक रुपए का पेट्रॉल डाल दो।
सेल्समैनः भाई ए इतना पेट्रॉल डलवाकर जाना कहां है?
पप्पूः अरे यार, कहीं नहीं जाना हम तो ऐसे ही पैसे उड़ाते रहते हैं।

सच्चा मित्र

परीक्षा में सवाल आयाः सच्चा मित्र किसे कहते हैं?
बब्बू ने धमाकेदार जवाब दियाः सच्चा मित्र वो होता है, जो आपकी गालियां सुनता है।
और आपकी सेटिंग करने में आपकी सहायता करता है।
आपके क्रश को भाभी-भाभी बोलता है और आपके घरवालों की नजरों में गिरा रहता है।
कुल मिलाकर सच्चा मित्र बेटे समान होता है।

उफ, ये थकान
कहीं आप भी तो यही नहीं कहते?

स्वस्थ पाचन के लिए, एनर्जी के लिए हमारी पाचनक्रिया भी स्वस्थ होनी चाहिए। पूरे दिन में एक या दो बार ज्यादा खाने की बजाय दिन में थोड़ा-थोड़ा कई बार खाना चाहिए। खाने में मोटे अनाज, ओट्स, अंकुरित अनाज, ताजे फल और सब्जियां लेनी चाहिए।

मैं बहुत थक गई हूं, यह एक ऐसा शब्द है जिसे हम अकसर रोज ही बोलते हैं। थोड़ी बहुत थकान और ज्यादा थकान यानी आपकी थकान का पैटर्न कैसा है? यदि आपको हर समय ज्यादा थकान रहती है तो क्या यह सही है?

- **मौसम का असर :** ज्यादा सर्दी या गर्मी में ज्यादा नमी के कारण भी हमें थकान ज्यादा लगती है। थकान दूर करने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पीना जरूरी है, क्योंकि यह हमें नयी ऊर्जा देता है। हमारी रक्त कोशिकाओं को शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में कठिनाई होती है, जिसकी वजह से हमारी मांसपेशियों में रक्तप्रवाह की गति धीमी होने से हमें थकान ज्यादा लगती है। शरीर में पानी की कमी होने पर पाचनक्रिया को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे हम ज्यादा थकते हैं। जब हवा में नमी होती है, उस दौरान हमें पर्याप्त पानी पीना चाहिए और शरीर को ठंडक पहुंचाने वाली चीजें खानी चाहिए। सुबह सोकर उठने के बाद दो गिलास गर्म पानी पीना चाहिए। चाय और कॉफी का सेवन कम करना चाहिए। सुबह सोकर उठने के तुरंत बाद अगर चाय, कॉफी लेने से पहले हल्का गर्म पानी पीना चाहिए।
- **संतुलित भोजन :** स्वस्थ पाचन के लिए, एनर्जी के लिए हमारी पाचनक्रिया भी स्वस्थ होनी चाहिए। पूरे दिन में एक या दो बार ज्यादा खाने की बजाय दिन में थोड़ा-थोड़ा कई बार खाना चाहिए। खाने में मोटे अनाज, ओट्स, अंकुरित अनाज, ताजे फल और सब्जियां लेनी चाहिए। ज्यादा तली-भुनी चीजों से परहेज रखें। भोजन में मीठा कम लें। किसी खाद्य पदार्थ विशेष से एलर्जी हो तो उसे न खाएं, इससे आपकी एनर्जी कम होती है। खाना खाने के बाद अगर थकान लगे तो शरीर का चेकअप कराएं।
- **बोरियत से बचें :** बोर होने पर भी हमें थकान ज्यादा लगती है। क्या आपने कभी महसूस किया है कि किसी उत्सव में लगातार कई घंटे तक रहने के बावजूद आपको थकान नहीं होती? लेकिन थोड़े घंटों की रेल यात्रा भी हमें थका देती है। क्योंकि हमें उस समय बोरियत महसूस होती है। एक ही तरह का काम करने से भी जीवन में एकरसता आती है। इसका हमारे मूड पर बुरा असर होता है। जब हमारा मूड खराब होता है तो इसका असर हमारे शरीर पर भी दिखायी देने लगता है और हम ज्यादा थकान महसूस करते हैं। इसलिए अपने आसपास के माहौल को खुशनुमा बनाएं। जिसमें आपको खुशी मिले। अपने कामों में विविधता लाएं और काम में थोड़ा ब्रेक लें।
- **नींद पूरी लें :** हमें प्रतिदिन 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए। अगर आप न भी सोएं 10 या 20 मिनट अपनी आंखें बंद करके बैठें और हल्का म्यूजिक सुनें इससे भी आपका शरीर रिचार्ज होता है। नींद में बाधा आने से भी थकान ज्यादा लगती है।
- **पोषण :** शरीर में होमोग्लोबिन और आयरन की कमी से भी हमें थकान ज्यादा लगती है। अपनी स्किन की जांच कराएं। दिल की धड़कन चेक करें। आयरन से भरपूर डाइट, सप्लीमेंट लें। विटामिन बी की कमी से भी हमें थकान और कमजोरी लगती है। विटामिन डी की आपूर्ति के लिए धूप में रहें।
- **थायरॉयड :** सुबह सोकर उठने के बाद थकान महसूस करना, थायरॉयड की कार्यप्रणाली में गड़बड़ी का संकेत हो सकता है। इसलिए ऐसा है तो जांच कराएं।

एक्सरसाइज करें

थकान न लगे इसके लिए मूवमेंट करते रहें। अगर आप दिनभर बैठे रहते हैं तो आपका मेटाबॉलिक स्तर घटता है और कम कैलोरीज की खपत होने से भी थकान लगती है।

जब करना हो बालों को डाई

किसी का भी ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में खूबसूरत काले, चमकीले केशों का बहुत ही महत्त्व होता है परंतु आजकल बढ़ती मानसिक चिंता और फैलते प्रदूषण से केश संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। केशों का कम उम्र में पक जाना (सफेद होना) चिंता के कारण ही माना जाता है। वंशानुगत बीमारियां, तनाव और खाने में कैल्शियम तथा अन्य पोषक तत्वों की कमी इसके प्रमुख कारण होते हैं।

- केश चाहे शुष्क, तैलीय अथवा सामान्य हों, यदि उनकी उचित देखभाल न की जाए तो ये अक्सर समय से पहले ही सफेद होने लगते हैं। केश में भिन्न-भिन्न प्रकार के साबुन लगाने से, भिन्न-भिन्न प्रकार के तेलों का इस्तेमाल करने से, समय पर सफाई न करने आदि से भी बाल सफेद होने लगते हैं।
- केशों का रंग मेलेनोसाइट नाम की कोशिकाओं से होता है। ये कोशिकाएं मेलानिन पिगमेंट पैदा करती हैं। किसी भी कारण से यदि इनमें कमी आ जाती है तो केश सफेद होने शुरू हो जाते हैं।
- काले बालों के बीच में सफेद बालों का होना एक लज्जाकारक स्थिति को उपस्थित करता है। उम्र से पहले बालों का सफेद होते जाना व्यक्तित्व पर ग्रहण लगने के समान होता है। सफेद बालों को फिर से काला करने के लिए डाई का प्रयोग करना होता है। हालांकि हेयर डाई कोई स्थायी समाधान नहीं होता, फिर भी बालों को डाई तो करना होता ही है।
- असमय केश सफेद होने की यह समस्या आम हो गई है। अतः हेयर डाई के प्रयोग का प्रचलन भी काफी बढ़ गया है। बाजार में कई अच्छी कंपनियों की डाई उपलब्ध हैं जो केशों की खूबसूरती और कुदरती चमक बनाए रखती हैं।

हेयर डाई का प्रयोग कैसे करें

- बालों को जब डाई करना हो तो उससे पहले बालों को शैम्पू से धो लें और बाल सुखा लें।
- डाई लगाने से पहले कंधों पर कोई पुराना कपड़ा डाल लें ताकि डाई का घोल कंधे या अन्य जगह पर न टपकने पाए।
- डाई करते समय हाथों में प्लास्टिक या रबड़ के दस्ताने अवश्य पहन लें ताकि आपकी हथेलियों पर डाई का रसायनिक तत्व न लगने पाए।
- डाई के मिश्रण को किसी प्लास्टिक या कांच के प्याले में ही घोलना चाहिए। तांबा, पीतल, लोहा, स्टील आदि की कटोरियों में इसे कतई न घोलें।
- इस घोल को किसी प्लास्टिक के चम्मच से या लकड़ी से ही मिलाना चाहिए। धातु के चम्मच से भूलकर भी न मिलाएं।
- बाल सूख जाने पर तैयार मिश्रण को ब्रश या रूई के माध्यम से लगाना चाहिए। बीच-बीच में कंघी करते रहने से मिश्रण सभी बालों में अच्छी तरह लग जाता है।
- इसका ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि डाई लगाते समय डाई का मिश्रण सिर या गरदन की त्वचा पर न लगने पाए।
- डाई अच्छी तरह से लगा लेने के बाद बालों को कम से कम एक घंटे तक अच्छी तरह से सूखने देना चाहिए।
- बालों के सूख जाने के बाद उन्हें अच्छी तरह फिर से शैम्पू से धोकर सुखा लेना चाहिए।
- डाई का मिश्रण तैयार करने के बाद उसका तुरंत इस्तेमाल कर लेना चाहिए। मिश्रण के सूख जाने के बाद बालों को काले करने की क्षमता में कमी आ जाती है।

अपने टैटू और त्वचा की रक्षा कैसे करें?

टैटू एक्सपर्ट्स मानसून के दिनों में शरीर पर टैटू न गुदवाने की सलाह देते हैं। लेकिन कभी-कभी हम अपनी इस इच्छा को मार नहीं पाते और शरीर पर टैटू गुदवाते हैं। अपने टैटू और त्वचा को कैसे सुरक्षित रखें, आइये जानें-

ढककर रखें: क्या आपको पता है कि शरीर पर गुदा टैटू खुले घाव की तरह होता है। जिसकी हीलिंग में थोड़ा समय लगता है। अपने बॉडी आर्ट को ऐसी बैंडेज से कवर करके रखें जिसमें हवा जा सके। इससे हवा में मौजूद नमी के बैक्टीरिया से बचाव हो सकता है। टैटू के इंटीगर्द की त्वचा में भी घाव हो जाते हैं। टैटू पार्लर से बाहर आने के बाद उस स्थान पर कम से कम दो घंटे तक बैंडेज लगाकर रखें।

- **इंफेक्शन से कैसे बचें:** टैटू गुदवाने के बाद उस स्थान पर इंफेक्शन होने की आशंका रहती है। टैटू के बाद त्वचा पर लाली आना, जलन, सूजन और उसमें पस पड़ना एक आम समस्या है। यदि आपके साथ भी ऐसा होता है तो डॉक्टर से कंसल्ट करें। त्वचा का थोड़ा सा भी इंफेक्शन बढ़कर आपके स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकता है। निमोनिया और ब्लड इंफेक्शन हो सकता है। इससे बचने के लिए उस स्थान को हल्के बैक्टीरियारोधी साबुन और गर्म पानी से धोएं। टैटू को सूखा रखें और उस पर मुलायम कपड़ा या पेपर टॉवल लगाएं। खुले घाव पर माइल्ड बैक्टीरियारोधी क्रीम लगाएं।
- **पपड़ीदार स्किन:** टैटू के आसपास की त्वचा पर पपड़ियां जमने पर वहां लोशन लगाएं। उस जगह की त्वचा को कुरेदें नहीं। विशेषज्ञों का मानना है कि पेट्रोलियम आधारित क्रीम लगाने से टैटू का रंग फीका हो सकता है।
- **पानी से बचाव :** जिस दिन टैटू बनवाएं उस दिन न नहाएं। पूल, बाथटब या हॉट टब में न नहाएं। दो सप्ताह तक टैटू को पानी में न भिगोएं।
- **सुरक्षा:** तेज धूप में टैटू का रंग फीका पड़ सकता है। तेज धूप में निकलने से पहले उस जगह पर 30 या उससे ज्यादा एसपीएफ का सनस्क्रीन इस्तेमाल करें।

बाल कहानी

सांप का घमंड

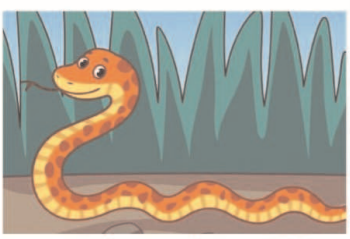

एक समय की बात हैएक जंगल में एक सांप रहता था। सांप जंगल के छोटे-मोटे जानवरों जैसे चूहा, मेंढक, छिपकली, गिलहरी, पक्षियों के अंडों को खाकर बहुत बड़ा और मोटा हो गया था। सांप के विशाल आकार के कारण जंगल के बड़े-बड़े जानवर भी उसके पास आने से डरते थे। जंगल के छोटे-छोटे जानवरों ने सांप की शिकायत हाथी और शेर से भी की किंतु शेर और हाथी भी उस विशाल सांप का कुछ नहीं कर सके, क्योंकि जब भी वह सांप को समझाने जाते तो सांप अपना विशाल फन लेकर उनके सामने खड़ा हो जाता था। सांप कहीं उसे काट ना ले इसी डर से जंगल का कोई जानवर उसके नजदीक नहीं चाहता था।

धीरे-धीरे सांप को यह घमंड हो गया कि जंगल का कोई भी जीव उसका सामना नहीं कर सकता। सांप ने सोचा कि जब जंगल का राजा शेर ही मुझसे डरता है तो क्यों ना मैं भी एक राजा की तरह किसी विशाल घर में रहूं। यह सोच कर सांप एक विशाल बरगद के पेड़ के बिल में रहने लगा।

सांप के आने से डर के कारण बरगद में रहने वाले सभी जीव-जंतु और पक्षी उस पेड़ को छोड़कर चले गए। बरगद के पेड़ के पास ही चींटियों की बांबी थी। सांप जब भी कहीं जाता तो उसे रास्ते में चींटियां मिल जाती थी। चींटिया हमेशा अपने काम में व्यस्त रहती थीं और सांप को नमस्कार नहीं करती थी। चींटियों का यह व्यवहार सांप को पसंद नहीं आया। एक दिन वह चींटियों की रानी से बोला, तुम अपनी सेना को समझा देना कि मैं जब भी यहां से गुजरता हूं तो मुझे सर झुका कर नमस्कार करें नहीं तो मैं सभी को मार दूंगा। सांप की बात चींटियों की रानी को बिल्कुल भी पसंद नहीं आई और उसने सांप की बात मानने से इन्कार कर दिया। सांप ने गुस्से में आकर अपनी पूंछ से चींटियों की बांबी पर प्रहार कर दिया जिससे उनके घर को काफी नुकसान पहुंचा।

सांप के इस व्यवहार से सभी चींटियां बहुत अधिक क्रोधित हो गई और उन्होंने एक साथ मिलकर सांप पर हमला कर दिया। चींटियों के काटने से सांप की बहुत बुरी हालत हो गई धीरे-धीरे चींटियों की संख्या बढ़ती जा रही थी और सांप अपने आपको असहाय महसूस करने लगा। आखिरकार चींटियों के हमले से सांप की मौत हो गई और जंगल के जानवरों को उस खतरनाक सांप से मुक्ति मिल गई।

टूटते रिश्तों को पहले जैसा बनाकर रखा जा सकता है?

रहिमन धाग प्रेम का मत तोड़ों चटकाए
टूटे तो फिर न जुड़े, जुड़े गांठ परे जाये।।

एक टूटी हुई प्लेट को भले ही हम दोबारा जोड़ दें लेकिन उसके बीच की दरार हमेशा बनी रहती है। रिश्तों के संबंध में भी यह बात लागू होती है। जरूरी नहीं कि आप इसे एक्शन द्वारा करें। कई बार बिना सोचे, समझे बोले गये शब्द रिश्तों में हमेशा के लिए ऐसी दरार पैदा कर देते हैं जो खत्म हो भी जाए तो उसके निशान हमेशा बने रहते हैं। दरअसल आप किसी प्वाइंट पर किसी से क्या कहते हैं, इसके मायने नहीं हैं बल्कि पहले क्या था, यह बात ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। दोस्त, जिन्हें हम प्यार करते हैं, गलती होने पर हम उनसे माफी मांग लेते हैं। कहने को वे हमें माफ कर देते हैं लेकिन ऐसा बहुत कम होता है कि सचमुच कोई हमें माफ करे और हमारी गलती को भूल जाए।

रिश्ते अगर टूट जाएं और उन्हें दोबारा जोड़ भी दिया जाए तो रिश्तों के बीच दरार बनी रहती है। खासतौर पर वहां, जहां लापरवाही से इसे लंबे समय तक यूं ही छोड़ दिया जाता है। कभी-कभी रिश्तों में बार-बार धोखा खाने में हर बार का धोखा पीछे के असर को कम कर देता है। कभी-कभी यह खतरनाक मोड़ पर भी पहुंच जाता है और जो खो गया है, उसे पाने की हम भले कितनी भी कोशिश कर लें उसे हम हासिल नहीं कर पाते। टूटे हुए रिश्तों को जोड़ने के लिए अगर आपसी संवाद न हो और उसे जोड़ने के लिए प्रयास न किये जाएं तो बाद में उसी रिश्ते में भले ही हम कितनी कोशिश कर लें, कितना समय दे दें, सभी प्रयास असफल हो जाते हैं। क्योंकि हम उसे सुरक्षित रखने से खुद को दूर कर लेते हैं और यह धीरे-धीरे अपने आप कम हो जाते हैं। रिश्तों का यह एक ऐसा प्राकृतिक चक्र है जो संवादहीनता और संवेदनहीनता का शिकार हो जाता है। पति-पत्नी संबंधों पर भी यह बात लागू होती है। अगर एक पार्टनर को कोई बात परेशान करती है तो उसे न बताने से और ज्यादा गलतफहमियां पैदा होती हैं और स्थिति ज्यादा बिगड़ जाती है। लेकिन दोनो पार्टनर अगर एक दूसरे से बात करते हैं, अपनी शिकायतें दर्ज कराते हैं तो दोनों के लिए जीवन सरल हो जाता है। रिश्तों को तोड़ना भी आसान नहीं होता। लोग रिश्तों को हर हाल में किसी न किसी तरह अपने तरीके से जोड़ने की कोशिश में लगे रहते हैं। गलती करने पर केवल सॉरी कह देने से ही माफी नहीं हो जाती। कई लोग अपने हाव भाव, अपनी गतिविधियों से सचमुच शर्मिंदा भी होते हैं। लंबे समय तक संवादहीनता, एक दूसरे के अहं का बीच में आना और एक दूसरे से माफी की अपेक्षा करना, रिश्तों को बिगाड़ने का काम करता है। इसलिए जितना जल्दी हो उतनी जल्दी चीजों को पहले की जगह लाने की कोशिश करनी चाहिए। समस्याओं को अनदेखा न करें। क्योंकि समस्याओं को सुलझाने और उसके लिए प्रयास करते हुए दिखना भी चाहिए।

सच कहें तो माफ करना ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। बुरी बात है स्वीकार न करना और रिअडजेस्टमेंट न करना। क्योंकि आप माफ तो कर देते हो लेकिन भूलते नहीं हो। बुद्धिमान लोग कड़वाहट को एक स्तर तक आकर भूलते नहीं हैं। अगर वे प्यार करते हैं तो निराशा को स्वीकार करके आगे बढ़ जाते हैं और वह अपने पार्टनर को दोबारा दुख पहुंचाने की नहीं सोचते। अच्छे रिश्ते में तो यही सब होता है, स्वीकार करो और बार-बार अडजेस्ट करो। दोनो आगे बढ़ो, यही तो जिंदगी में खुशी का फलसफा है। वे जो सचमुच इस खेल को समझते हैं, वे एक कदम आगे बढ़कर टूटे रिश्तों को दोबारा जोड़ने की कोशिश करते हैं। हंसी-मजाक दोनो पार्टनर को एक दूसरे से जोड़ता है। कठिन से कठिन स्थितियां भी हंसी-मजाक में सुलझ जाती हैं। यह दोनो में होना जरूरी है। अब संबंधों के बीच में अगर गांठ पड़ जाती है उस गांठ को अगर और ज्यादा मजबूती से बांध लिया जाए तो रिश्ते और अच्छे हो जाते हैं।

औषधीय पौधा हिमकचरी

हिमकचरी को हिडीचियम स्पाइकेटम भी कहा जाता है। औषधीय गुणों से भरपूर इस पौधे के अत्यधिक दोहन के कारण यह अपने प्राकृतिक स्थलों से लुप्तप्राय होने लगा है। इसके तेल, इत्र और औषधीय गुणों के कारण इसकी बहुत मांग है। इसे कपूर कचरी, कपूर कचली (हिंदी में), जिंजर लिली एंव गारलेंड फ्लावर (अंग्रेजी में) भी कहा जाता है। संस्कृत में इसे गंधासाती कहा जाता है। इसके अलावा इसे गंधुलिका, पालाशी, सुब्रता के नाम से भी जाना जाता है। हिमकचरी की फसल को लगाने का उचित समय दिसंबर से जनवरी होता है। जिन जगहों पर बारिश अधिक होती हो, इसकी फसल को अधिक पानी से बचाने की जरूरत होती है। यह मध्यम पहाड़ी क्षेत्रों में पैदा होती है और इसे 1300 मीटर या इससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में उगाया जा सकता है। इसके लिए महीन दोमट मिट्टी और आंशिक छायायुक्त स्थान की जरूरत होती है। मध्यम पहाड़ियों में यह नवंबर, दिसंबर के दौरान सुप्तावस्था में रहती है और इन्हीं दिनों इसकी खुदाई की जाती है। बरसात के दिनों में इसकी मिट्टी को नम बनाये रखना चाहिए। लेकिन सर्दी के दिनों में मिट्टी खुश्क होनी चाहिए। लेकिन पानी की कमी से हिमकचरी में फूल आना बंद हो जाते हैं। गर्मी के दिनों में मिट्टी की नमी से ही इसमें खूब फूल खिलते हैं। इसके प्रकंदों की अच्छी बढ़वार के लिए सर्दी के दिनों में इन्हें सूखा रखना चाहिए।

खादः हिमकचरी की बढ़वार अच्छी होती है, कंपोस्ट और ऑर्गेनिक खाद में मौजूद पौष्टिक तत्व इसे और हरा भरा बनाये रखते हैं।

सूर्य का प्रकाशः इसे पूरे दिन धूप की जरूरत नहीं होती। दिन में कुछ घंटों की धूप में ही इनकी वृद्धि अच्छी होती है। लेकिन सूरज की कम रोशनी में इसमें फूल भी कम आते हैं। इस पौधे को आसानी से बड़े गमलों में लगाया जा सकता है और यह बढ़कर काफी घने हो जाते हैं। छोटे गमले में लगाने पर यह अच्छी तरह वृद्धि नहीं कर पाते। यदि इन्हें गमले में लगाना हो तो इन्हें रोज पानी देने की जरूरत होती है। सर्दी के दिनों में इसे इसे पाले से बचाकर रखें। इसकी जड़ों का इस्तेमाल खाने में किया जाता है। क्योंकि इसका औषधीय महत्व होता है। जिंजर लिली या हिमकचरी का इस्तेमाल असेंशियल ऑयल बनाने में होता है। इसके फूल और कलियों का इस्तेमाल किया जाता है। वैसे तो इसमें कीड़े लगने का कोई खतरा नहीं होता, लेकिन इसकी पत्तियों को कई बार कीट नुकसान पहुंचा सकते हैं। जिन पर पूरी निगरानी रखनी चाहिए। इसके प्रकंदों को उखाड़कर उन्हें ठंडे और अंधेरे स्थान पर रखा जाता है। हिमकचरी से भाप द्वारा तेल प्राप्त किया जाता है, जिसके तेल का औषधीय महत्व है।

सम्पादकीय

ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन एआई पर किसी प्रकार के लगाम के खिलाफ है। उसके मुताबिक इस तकनीक की राह में नियम-कायदे जैसी रुकावटें नहीं होनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र में इसी नजरिए को जगह मिली। यानी यह ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर हुए पहले तीन शिखर सम्मेलनों (लंदन, सियोल और परिस) में मुख्य जोर इस तकनीक से संबंधित सुरक्षा एवं इसका विनियमन पर था। मगर नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में ये चिंताएं हाशिये पर चली गईं। उसके बजाय नई दिल्ली घोषणापत्र में मुख्य ध्यान आर्थिक विकास और समावेशन पर दिया गया है। लगभग 900 शब्दों के इस दस्तावेज के केंद्रीय बिंदु एआई के लोकतांत्रिक सम्मिलन का चार्टर, एआई संसाधनों तक पहुंच को प्रोत्साहित करने का स्वैच्छिक एवं अबाध्यकारी फ्रेमवर्क, और स्थानीय प्रासंगिकता के मुताबिक आविष्कार आदि हैं। ये बातें इतनी सामान्य किस्म की हैं कि इन पर मतभेद की गुंजाइश नहीं थी। इसलिए सम्मेलन में शामिल हुए सभी 88 देशों ने सहजता से इस पर दस्तखत कर दिए। जबकि 2025 में हुए पेरिस सम्मेलन में चूंकि एआई के विनियमन पर जोर दिया गया, तो अमेरिका ने साझा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर से इनकार कर दिया था। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन एआई पर किसी प्रकार के लगाम के खिलाफ है। उसकी दलील है कि इस तकनीक की राह में नियम- कायदे जैसी रुकावटें नहीं आनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र को इसी नजरिए से तैयार किया गया। यानी यह ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र है। चीन भी एआई संप्रभुता की वकालत करता है, इसलिए ऐसे दस्तावेज पर उसे कोई आपत्ति नहीं होनी थी, जिसमें एआई विनियमन के बारे में राष्ट्रीय सरकारों के अधिकार को स्वीकार किया गया हो।चीन में एआई का उपयोग राजकीय नियोजन के तहत आम प्रशासन एवं जमीनी विकास के लिए हो रहा है। अमेरिका की तुलना में यह बिल्कुल अलग नजरिया है। चूंकि एआई के क्षेत्र में प्रमुख शक्तियां अमेरिका और चीन ही हैं, इसलिए वे अपने यहां इस तकनीक को कैसे विकसित कर रही हैं, वह इस समय वैश्विक चर्चा एवं ध्यान का प्रमुख बिंदु है। इस बीच एआई शिखर सम्मेलन उन दोनों सहित तमाम हितधारकों के बीच संवाद का मंच बने हैं।

क्रोध हमेशा धैर्य और साहस की कमी का परिचायक होता है

एड. किशन भावनानी

आज के युग में हर व्यक्ति को जीवन के किसी न किसी पड़ाव में विपरीत परिस्थितियों का निर्माण होने के कारणों में कहीं ना कहीं एक कारण उसका गुस्सा या क्रोध भी होगा। अगर हम अत्यंत संवेदनशीलता और गहनता से उत्पन्न हुई उन परिस्थितियों की गहनता से जांच करेंगे तो हमें जरूर यह कारण महसूस होगा। गुस्से और क्रोध का वह छोटा सा पल ऐसी अनेकों विकराल स्थितियों और परिस्थितियों को पैदा कर देता है, जिसकी हमें उम्मीद भी नहीं रहती और फिर बड़े बुजुर्ग लोग कहते हैं ना कि, जब चिड़िया चुग गई खेत अब पैछतावे का होए। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हमें उस गुस्से क्रोध के उस पल को काबू में रखने के मंत्र सीखने होंगे जो कि आसान है। सबसे पहले तो हमारी यह सब प्रतिशत कोशिश होनी चाहिए कि उस स्थिति को पैदा ही ना होने दें , जिसके कारण क्रोध या गुस्सा या आक्रोश उत्पन्न हो।परंतु यह भी उचित बात है कि, हम किसी भी परिस्थिति को कितना भी रोके, परंतु स्थिति उत्पन्न हो ही जाती है,या अन्य कोई यह स्थिति उत्पन्न कर ही देता है, तो ऐसी परिस्थिति में सबसे सरल मंत्र है उस परिस्थिति की हर बात,हर स्थिति को अत्यंत ही सहजता और सरलता से लें और गुस्से या क्रोध या आक्रोश को जगने से पहले ही तुरंत उसे समाप्त कर दें। उसके लिए सहजता व सरलता इन दो शब्दों या मंत्रों को गांठ बांध के रखना ही होगा।

साथियों जब शरीर क्रोध के आवेग में काबू हो जाता है तो मनुष्य विचार शून्य हो जाता हैं. उसे कुछ भी सूझता नहीं है जैसे मुह में आया बोल दिया अथवा जो हाथ में आया उसे चला दिया जाता हैं. ऐसे करने से बाद में पछताने के सिवाय कुछ भी हाथ नहीं लगता हैं. यदि आप क्रोध को नियंत्रित नहीं कर पाते है तो यह आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है, यह आपके ब्लड प्रेशर को अधिक करने के साथ ही कई व्याधियों को जन्म भी दे सकता हैं।क्रोध को कायरता की निशानी भी कहा जाता है, इसे स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक भी माना गया है. जिन्हें विभिन्न परिस्थितियों में धैर्य एवं साहस की कमी होती है वे क्रोधित होते हैं. यह संताप विकलता की दशा हैं. एक क्रुद्ध व्यक्ति के सोचने समझने और विचारने की शक्ति शून्य हो जाती हैं।साथियों ,मेरा ऐसा निजी मानना है कि जितनी भी विपरीत, हानिकारक, कष्टदाई परिस्थितियां उत्पन्न होती है, उसका मूल कारण गुस्सा, आक्रोश, क्रोध में उठाया गया हिंसात्मक कदम होता है, जिसकी परिणीति में उन विपरीत परिस्थितियों का जन्म होता है।और अगर उन परिस्थितियों, स्थितियों को फलने फूलने के लिए, कथित प्रोत्साहन मिला तो फिर विकराल रूप बन इंसान को सबसे बड़ा और खतरनाक प्राणी बना देता है ,जिसे आज की स्थिति में अपराध के जगत का डॉन या कुख्यात अपराधी की संज्ञा दी जाती है।साथियों, हम अपने रूटीन जीवन के हर क्षण में काफी नजदीकी से देखते होंगे कि कोई भी टॉपिक में, किसी भी क्षेत्र में, किसी भी विषय में, बात तभी बिगड़ जाती है जब वहां तावबाजी अर्थात गुस्सा या क्रोध का जन्म होता है, और बात बढ़ कर कहासुनी, मारपीट, हत्या की कोशिश, हत्या, जख्मी, घायल इत्यादि से पुलिस, जेल , और मामला अदालतों की दहलीज तक जा पहुंचती है। और सामाजिक-आर्थिक नैतिक, हानि, मानहानि अलग होती है। साथियों, सोचिए इतनी भारी कीमत चुकानी होती है, मात्र एक छोटे से पल की जिस पर आसानी से नियंत्रण किया जा सकता था। जो भी व्यक्ति उपरोक्त विपरीत प्रक्रिया, गुस्से, क्रोध, से जेल तक में बंदी बनाया जाता है या सजा काटता है या अदालतों के चक्कर काटता है, विशेषज्ञों और अधिवक्ताओं के पीछे घूमता है, अगर हम उसकी प्रतिक्रिया जानना चाहेंगे तो हमें निर्णय करने में आसानी होगी कि मामला गुस्से और क्रोध की परिणीति का है और कहीं ना कहीं उस व्यक्ति के मन में गुस्से और क्रोध के प्रति पछताने की बात सामने आती है। गुस्सा और क्रोध से, बदले की भावना का उदय होता है और फिर बदले पर बदला के चक्रव्यूह में अनेक जीवो का जीवन कुचक्र में फंस कर खराब हो जाता है। क्योंकि फिर बदले का अंजाम बहुत दूर तलक जाता है, जो गुटबाजी, गैंगवार सहित बात दूर तलक चली जाती है

साथियों अगर हम अपने क्रोध, गुस्से को काबू में कर पाएंगे तो सहजता और सरलता रूपी मिठास का अपने आप उदय होगा हम स्वाभाविक रूप से मीठा बोलेंगे। हमारी वाणी में मिठास उत्पन्न होगी। चार लोग हमारे करीब आएंगे,और हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, मान सम्मान होगा। जिसका प्रभाव हमारी वर्तमान पीढ़ी, भावी पीढ़ी पर भी पड़ेगा क्योंकि बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि, बोया बीज बबूल का तो आम कहां से खाए, और बोया बीज मिठास का तो कुल पुरा मीठा होय। हम सामाजिक रुप में भी किसी व्यक्ति या परिवार को उसके कुल से ही कतारते हैं कि, अच्छे कुनबे का परिवार है या अच्छे कुनबे का व्यक्ति है। इसलिए सभी कुभावनाओं, विपरीत विचारों, परिस्थितियों, से ओतप्रोत इस गुस्से और क्रोध,आक्रोश को हीपूरी विपत्ति और कठिनाइयों की जड़ मानेंगे

साथियों उपरोक्त पूरे विवरण को अगर हम संकुचित और कुछ शब्दों या शब्दकोश में सीमित करें तो गुस्सा और क्रोध एक तेज तीखी मिर्ची के समान है ,एक आग के समान है,जिसे फैलने या रोकने के लिए सहजता और सरलता रूपी गुड़ शक्कर या शहद की जरूरत होती है, जो मिर्ची रूपी धास को, आग रूपी तबाही को, सहजता सरलता और मीठी वाणी रूपी पानी से बुझाया जा सके।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्रोध हमेशा धैर्य और साहस की कमी का परिचय होता है। क्रोध से पूरे परिवार के मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ने की संभावना को रेखांकित करना समय की मांग है। क्रोध की हर बात और हर स्थिति को अत्यंत ही सहजता और सरलता में ही लेना चाहिए ताकि क्रोध और गुस्से पर नियंत्रण हो सके यही मूल मंत्र है।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

एक नयी शहरी रुपरेखा: शहरी चुनौती कोष भारत के शहरों को किस तरह दे सकता है नया रूप

श्रीनिवास कटिकिथला

भारत के शहरीकरण का सफर निर्णायक मोड़ पर है। आज देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शहरों का बड़ा योगदान है, ये देश के सबसे गतिशील आर्थिक केंद्रों का केंद्र हैं और लाखों लोगों के जीवन स्तर को लगातार प्रभावित कर रहे हैं। फिर भी, ये शहर बुनियादी ढांचे की कमी, जलवायु परिवर्तन के खतरे, वित्तीय बाधाओं और संस्थागत बिखराव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अब चुनौती यह नहीं है कि भारत का शहरीकरण होगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत का शहरीकरण प्रभावी, टिकाऊ और समावेशी तरीके से हो पाएगा।

हाल ही में स्वीकृत शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) इस प्रश्न के उत्तर देने के भारत के नज़रिए में एक अहम बदलाव का प्रतीक है। वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक 1 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता राशि और करीब 4 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश को प्रेरित करने की अपेक्षित योजना के साथ, यह कोष पारंपरिक अनुदान-आधारित वित्तपोषण से हटकर, शहरी ढांचागत विकास के लिए बाजार-आधारित, सुधार-संचालित और परिणाम पर आधारित ढांचे की ओर बदलाव का प्रतीक है।

अनुदान से बाजार अनुशासन की ओर

शहरी चुनौती कोष की संरचना उसे पूर्व के कार्यक्रमों से अलग करती है। केंद्रीय सहायता परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक सीमित है और शहरों को कम से कम 50 प्रतिशत राशि नगरपालिका बांड, बैंक ऋण या सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे बाजार स्रोतों से जुटानी होगी। बाकी राशि राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों या अन्य वित्तपोषण माध्यमों से आ सकती है।

यह आवश्यकता कार्यक्रम के मूल में वित्तीय अनुशासन को स्थापित करती है। यह संकेत देती है कि शहरी अवसंरचना अब केवल सार्वजनिक बजट पर निर्भर नहीं रह सकती, इसे राजस्व समर्थित परियोजनाओं के ज़रिए पूंजी बाजारों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंच बनानी होगी। ऐसा करके, यह कोष ढांचागत महत्वाकांक्षाओं के साथ राजकोषीय संयम का तालमेल बिठाने की कोशिश करता है।

शहरी केंद्र की पुनर्कल्पना

यह कोष तीन विशिष्ट क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के शहरी परिदृश्य की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं।

पहला क्षेत्र है विकास केंद्र के रूप में शहरों को देखना। इसके तहत यह माना जाता है कि शहरी क्षेत्र आर्थिक इंजन हैं। यह एकीकृत स्थानिक और पारगमन योजना, आर्थिक गलियारों के साथ अवसंरचना और औद्योगिक, पर्यटन या लॉजिस्टिक्स क्लस्टर जैसे मजबूत आर्थिक आधारों के विकास का समर्थन करता है। इसका मकसद केवल परिसंपत्तियों का निर्माण करना नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पादकता को भी बढ़ाना है।

दूसरा क्षेत्र, शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास, भारतीय शहरीकरण की एक लंबे समय से चली आ रही चुनौती, ऐतिहासिक केंद्रों और केंद्रीय व्यावसायिक जिलों में भीड़भाड़ और गिरावट - का समाधान करता है। ब्राउनफील्ड पुनर्जन, पारगमन आधारित विकास और सार्वजनिक भूमि के पुनर्गठन को प्रोत्साहित करके, यह कोष मौजूदा शहरी क्षेत्रों के भीतर मूल्यों को उजागर करने का प्रयास करता है। यह भूमि मूल्य अधिग्रहण और संरचित पुनर्विकास मॉडल के तर्क को पेश करता है, जिससे शहर सांस्कृतिक और विरासत चरित्र को संरक्षित करते हुए कम उपयोग वाली संपत्तियों को नवीनीकरण के चालक में बदला जा सकता है।

तीसरा क्षेत्र जल और स्वच्छता पर केंद्रित है, जहां सेवा संतृप्ति, अपशिष्ट जल पुनः उपयोग, बाढ़ शमन और विरासत अपशिष्ट स्थलों के उपचार पर जोर दिया जाता है। इस ढांचे में जलवायु में बदलाव समाहित है, यह मानते हुए कि चरम मौसम की घटनाएं और पर्यावरणीय तनाव शहरी भेद्यता को नया रूप दे रहे हैं।

शहरी चुनौती कोष के सबसे नवोन्मेषी तत्वों में से एक 5,000 करोड़ रुपए की ऋण चुकौती गारंटी योजना है। पहली बार, छोटे शहरी स्थानीय निकायों, खास तौर पर एक लाख से कम आबादी वाले, साथ ही पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के शहरों, को संरचित केंद्रीय गारंटी के साथ बाजार वित्त तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा रहा है।प्रारंभिक उधार को जोखिममुक्त करके, यह योजना छोटी नगरपालिकाओं के लिए प्रवेश संबंधी बाधाओं को कम करती है और ऋणदाताओं को विश्वास दिलाती है। ऐसा करके, यह शहरी स्थानीय निकायों को अंतर-सरकारी हस्तांतरणों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय, पूंजी बाजारों का लाभ उठाने में सक्षम विश्वसनीय वित्तीय संस्थाओं के रूप में दोबारा स्थापित करना शुरू करती है।

सुधार ही आधार

यूसीएफ के तहत केंद्रीय सहायता प्राप्त करना शासन, वित्तीय और नियोजन सुधारों पर निर्भर है। शहरों से अपेक्षा की जाती है कि वे साख में सुधार करें, परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणालियों को मज़बूत करें, सेवा वितरण को डिजिटल बनाएं, परिचालन दक्षता बढ़ाएं और एकीकृत भूमि उपयोग तथा गतिशीलता नियोजन ढांचे अपनाएं।

वित्तपोषण लक्ष्यों और मापने योग्य नतीजों से जुड़ा है और लगातार सुधार बाद के संवितरणों के लिए एक पूर्व शर्त है। यह दृष्टिकोण यह दिशा में प्रयास करता है कि अवसंरचना निर्माण के साथ-साथ संस्थागत सुदृढ़ीकरण भी हो, जिससे कमजोर रखरखाव या कुप्रबंधन के कारण परिसंपत्तियों के क्षय का जोखिम कम हो। शहरी चुनौती कोष शहरी विकास में निजी क्षेत्र की भूमिका को भी पुनर्परिभाषित करता है। बाजार वित्तपोषण को अनिवार्य बनाकर और संरचित जोखिम-साझाकरण व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करके, यह डिजाइन, वित्तपोषण और संचालन में निजी भागीदारी को और अधिक व्यापक बनाता है।

परियोजना तैयारी सहायता, लेनदेन सलाहकार सहायता और डिजिटल निगरानी प्रणालियों का मकसद परियोजना की व्यवहार्यता और निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना है। अगर इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो यह भारत के नगरपालिका बांड बाजार को और बड़ा कर सकता है और शहरी अवसंरचना के लिए वित्तपोषण आधार को व्यापक बना सकता है।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने इस निधि को एक व्यापक हितधारक व्यवस्था के तहत रखा है। राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों, वित्तीय संस्थानों, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और निजी विकासकर्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे एक प्रतिस्पर्धी, चुनौती-आधारित प्रक्रिया के ज़रिए इसमें शामिल हों, जो तत्परता और नवाचार को पुरस्कृत करती है।

राष्ट्रीय, राज्य और शहर स्तर पर क्षमता निर्माण के प्रावधान इस ढांचे में अंतर्निहित हैं, यह मानते हुए कि वित्तीय मदद तक पहुंच के साथ-साथ तकनीकी और प्रबंधकीय दक्षता भी जरूरी है। डिजिटल निगरानी प्लेटफॉर्म से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने और परिणाम-आधारित शासन को मजबूत करने की अपेक्षा की जाती है। आगामी दशकों में भारत की शहरी आबादी में खासी वृद्धि होने वाली है और इसके साथ ही बुनियादी ढांचे की मांग भी बढ़ेगी।

भगवान झूलेलाल आस्था, संस्कृति और एकता के अमर प्रतीक

राजा माखिजा

राजनांदगांव। सिंधी समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर में भगवान झूलेलाल का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण और श्रद्धेय है। वे केवल एक देवता नहीं, बल्कि पूरे समुदाय की आस्था, पहचान और एकता के प्रतीक हैं। उन्हें जल के देवता वरुण देव का अवतार माना जाता है। झूलेलाल ने अपने दिव्य अवतार से न केवल अत्याचार का अंत किया, बल्कि मानवता को प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश भी दिया। प्राचीन सिंध प्रदेश में मीरख शाह नामक शासक के अत्याचारों से हिंदू समाज अत्यंत पीड़ित था। जब उन्हें जबरन धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य किया जाने लगा, तब निराश और भयभीत लोगों ने सिंधु नदी (दरिया) के तट पर एकत्र होकर ईश्वर से रक्षा की प्रार्थना की। उनकी अटूट श्रद्धा और विश्वास से प्रसन्न होकर भगवान ने झूलेलाल के रूप में अवतार लिया। यह अवतरण केवल एक चमत्कार नहीं बल्कि अन्याय के विरुद्ध धर्म और सत्य की विजय का प्रतीक था। भगवान झूलेलाल का जन्म नसरपुर (सिंध) में माता देवकी और पिता रतनचंद लोहाना के घर चैत्र शुक्ल द्वितीया को हुआ जिसे आज चेटीचंड के रूप में मनाया जाता है। उनका बाल्यकाल का नाम उदयचंद था लेकिन पालने में झूलने की उनकी अद्भुत लीला के कारण वे झूलेलाल कहलाए। बचपन से ही उनके भीतर दिव्य शक्तियों के संकेत दिखाई देने लगे थे कहा जाता है कि उनके मुख में सिंधु नदी की धारा दिखाई देती थी। झूलेलाल ने अपने चमत्कारों से मीरख शाह को सत्य का मार्ग दिखाया और उसके अत्याचारों का अंत किया। उन्होंने यह अमूल्य संदेश दिया ईश्वर एक है और सभी धर्म उसी तक पहुँचने के अलग-अलग मार्ग हैं। उनकी यही शिक्षा उन्हें हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के बीच पूजनीय बनाती है। उन्हें उडेरोलाल, लाल साईं और जिन्दपीर जैसे नामों से भी जाना जाता है। भगवान झूलेलाल को अक्सर पल्ला मछली पर विराजमान या कमल के फूल पर बैठे हुए दर्शाया जाता है। यह स्वरूप जल, जीवन और सृष्टि के संतुलन का प्रतीक है। चेटीचंड सिंधी समाज का सबसे प्रमुख पर्व है जो भगवान झूलेलाल के अवतरण दिवस और नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। इस दिन पूरे समाज में हर्षोल्लास, भक्ति, शोभायात्राएं, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। भगवान झूलेलाल की पूजा में बहराणा साहिब का विशेष महत्व है। यह एक सुसज्जित थाल होता है जिसे भगवान का साक्षात स्वरूप माना जाता है। इसमें शामिल होते हैं कलश (कुंभ) जल से भरा पात्र जीवन और वरुण देव का प्रतीक, ज्योति (दीपक): अंधकार पर प्रकाश की विजय, मिश्री और अखोः समृद्धि और पवित्रता के प्रतीक। पूजा के अंत में इसे नदी या समुद्र में विसर्जित किया जाता है जो जल और प्रकृति के प्रति सम्मान को दर्शाता है। झूलेलाल की भक्ति केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि सामूहिक होती है। बहराणा साहिब के साथ जुलूस निकाले जाते हैं छेज नृत्य किया जाता है और झूलेलाल! झूलेलाल! के जयकारे पूरे वातावरण को भक्तिमय बना देते हैं। जय दुलह देवा आरती के माध्यम से भक्त अपने भाव प्रकट करते हैं। यह आरती न केवल भक्ति का माध्यम है बल्कि आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भगवान झूलेलाल का जीवन हमें सिखाता है कि धर्म का वास्तविक अर्थ प्रेम और मानवता है। उनकी कथा में मंदिर और दरगाह दोनों का उल्लेख मिलता है।

आपका आने वाला कल

मेष राशि- आज आप एनर्जेटिक रहेंगे। इंजीनियर्स को आज अच्छा प्रोजेक्ट मिलेगा जो उनके जीवन का अहम प्रोजेक्ट होगा। आज आप उस बात का समर्थन करेंगे जो आपके लिए लाभदायक है। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, जिससे आपके सारे काम भी अच्छे ढंग से होंगे। आज बच्चों को चिड़ियाघर घुमाने ले जाएंगे, जहां बच्चे खूब आनंद उठाएंगे। पारिवारिक काम निपटाने के लिहाज से दिन अच्छा है।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के जो लोग बिजनेस करते है आज उन्हें धनलाभ होने के योग बन रहे है। जो लोग नौकरी की तलाश में उन्हें नौकरी मिलने की संभावना है। इस राशि के जो लोग कवि है आज उनकी कविता की पुस्तक प्रकाशित हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी अच्छे रेस्टोरेंट में डिनर के लिए जाएंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज बहुत से अच्छे मौके आपका इंतजार कर रहे हैं। लेकिन आपको उनके लिए लगातार कोशिशें करनी होंगी। इस राशि के जिन लोगों का सिंगिंग में रुझान है आज उन्हे किसी टीवी शो में गाने का ऑफर आ सकता है। आज आप महंगी खरीददारी के बारे में भी अपना मन बना सकते है, लेकिन

कर्क राशि- आज आप काफी उत्साहित रहेंगे। अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के लिए आज आप नया प्लान बनाएंगे। आज आपकी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से हो सकती है जो भविष्य में आपकी सहायता कर सकते है। आज सकारात्मक सोच रखकर कार्य करेंगे तो आपको सफलता जरूर मिलेगी।

सिंह राशि- आज आपका दिन लकी रहेगा। मेडिकल स्टूडेंट्स आज अपने सीनियर्स से कुछ नया अनुभव सीखेंगे, जो उनको आने वाले जीवन में लाभ देगा। लेखकों की आत्मकथा आज पब्लिश होगी जो लोगों के द्वारा काफी पसंद की जाएगी। साथ ही आज दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं को न रोकें, जो कार्य आपको अच्छा लगें, वहीं करें। शाम का समय आपके लिए चुनौती भरा हो सकता है।

कन्या राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे जिससे घर में खुशियों का माहौल रहेगा। बच्चो को ज्ञान की बातें बतायेंगे जिससे बच्चे अच्छे रास्ते पर चले। आज आप जो भी काम करेंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ टाइम स्पेंड करने से आपकी उलझने कम होंगी।

तुला राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे, जिससे आपको आपके काम के लिए अच्छी रेटिंग मिलेगी। आज आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे जिससे आप खूब सारा धन कमाएंगे। आज आपके कार्यक्षेत्र और परिवार के बीच संतुलन रहेगा।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन आ सकते है, अपने मित्र से शेयर करके आपको उस उलझन से राहत मिलेगी। आपके घर पर मेहमान मेहमान आयेंगे, जिससे घर का माहौल व्यस्त रहेगा। तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, आप नई तकनीकी सीख सकते है जो भविष्य में काम आयेगा। आपकी तरक्की समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ाएगी।

धनु राशि- आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज परिवार वालों के साथ घर की साफ-सफाई में हाथ बटायेंगे। साथ ही कुछ जरूरी सामान खरीदने बाजार जा सकते हैं। आज आप घर में स्वादिष्ट भोजन का आनद लेंगे। इस राशि के नव-विवाहित के लिए आज का दिन बेहतरीन है। लवमेट आज कहीं घूमने की प्लानिंग कर सकते है, जिससे उनके बीच चल रही अनबन दूर होगी।

मकर राशि- आज आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। बड़ों की सलाह आपके लिए कारगार होगी, इसलिए उनसे सलाह लेकर ही काम को करें। आपको उन लोगों से दूरी बनाकर रखनी है, जिनके विचार नकारात्मक हों। कारोबार में आ रही समस्याएं आज समाप्त होंगी। आपका नए लोगों से जल्दी ही परिचय हो सकता है।

कुंभ राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। शाम को दोस्तों से मिलने के बाद आपकी पुरानी यादें ताजा होगी। जिससे आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। जीवनसाथी को आज सरप्राइज पार्टी देंगे, जिससे आपके बीच का प्यार ज्यादा बढ़ेगा। कार्यों को आप धैर्य पूर्वक पूरा करेंगे, जिससे आपका काम सफल होगा।

मीन राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए अपने सहयोगियों के साथ मीटिंग करेंगे। अपने बच्चों के साथ आज घर पर गेम खेलेंगे, जिससे पारिवारिक सौहार्द बढ़ेगा।

ऐसे रहा खास राज्य विधानसभा का आज का हिसाब-किताब

'क्योंकि धर्म की जय हो'; विपक्ष के विरोध पर साय सरकार ने दिया जोरदार जवाब

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पर चर्चा के दौरान हंगामा, कांग्रेस के सदस्यों ने विरोध में किया वाकआउट

छत्तीसगढ़ विधानसभा में गुरुवार को गृह मंत्री विजय शर्मा ने छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 पेश किया गया. विपक्ष ने ऐसे ही मामलों के सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने का हवाला देते हुए विधेयक को सदन की प्रवर समिति को सौंपने की बात कही. आसंदी के प्रस्ताव को खारिज करने पर विपक्ष ने चर्चा में भाग लेने इंकार करते हुए सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया।

गृह मंत्री विजय शर्मा ने विधानसभा में छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 पेश किया. नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने विधेयक पर आपत्ति उठाते हुए कहा कि 11 राज्यों के ऐसे ही मामले पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं, ऐसे में इस पर चर्चा नही होनी चाहिए. विधेयक को विधानसभा की प्रवर समिति को सौंपना चाहिए।

इस पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि कहीं कोई दिक्कत नहीं है, विधि सम्मत विधेयक लाया गया है।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से कहीं कोई स्टे नहीं है. सुप्रीम कोर्ट ने यह नहीं कहा है कि इस पर नए कानून न बनाए जाए. राज्य सरकार चाहे तो कानून बना सकती है. प्रवर समिति को दिए जाने के लिए फीडबैक लिए गए हैं. हम सब को विधेयक पर सहमत होकर आगे बढ़ना चाहिए।

आसंदी ने नेता प्रतिपक्ष के आपत्ति को खारिज किया, जिससे नाराज विपक्ष ने आज दिनभर की सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया. इस पर विजय शर्मा ने कहा कि जब भी कोई गंभीर चर्चा होती है तो विपक्ष के लोग बहिर्गमन, बहिष्कार करके जाते हैं. इसे पलायन कहा जाना चाहिए. उनको आदिवासी समाज की पीड़ा से मतलब नहीं है. ए पलायन है पलायन।

इसके साथ ही विपक्ष के खिलाफ सत्ता पक्ष के विधायकों ने नारे लगाने शुरू कर दिया. विपक्ष के विधायक भी नारेबाजी करते हुए बहिष्कार कर सदन से बाहर निकल गए।

आयुष्मान कार्डधारियों को नहीं मिल रहा इलाज, सदन में उठा मामला

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

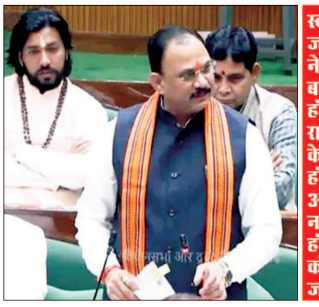

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा- बालगोपाल हॉस्पिटल, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल और श्री नारायणा हॉस्पिटल को नोटिस जारी

छत्तीसगढ़ विधानसभा में गुरुवार को कई बड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। सरकार एक तरफ आयुष्मान योजना की सफलता की कहानी कह रही है और वहीं दूसरी ओर राजधानी रायपुर स्थित नामचीन अस्पताल योजना के तहत मरीजों का उपचार करने से इंकार कर रहे हैं. विधानसभा में योजना को लेकर पूछे गए सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, श्री नारायणा हॉस्पिटल, बालगोपाल हॉस्पिटल सहित अन्य अस्पतालों के खिलाफ शिकायत मिली है, जिस पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है.

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक राघवेंद्र सिंह ने आयुष्मान योजना को लेकर सवाल किया. उन्होंने पूछा कि प्रदेश में आयुष्मान योजना में कितने कार्डधारी हैं, और एक अप्रैल 25 से 15 फरवरी 26 तक कितने हितग्राहियों का आयुष्मान योजनांतर्गत उपचार हुआ? कितनी राशि का भुगतान हुआ? कितनी बची है? राज्यांश और केंद्रांश कितना है? भुगतान लम्बित होने पर कितने लोगों का इलाज नहीं हुआ? कितनी शिकायत आई? कितनी जाँच हुई?

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि प्रदेश में 2.47 करोड़ आयुष्मान योजना के कार्डधारी हैं. 2024 से 2026 तक योजनांतर्गत 22,59,995 लोगों का उपचार हुआ. योजना में केंद्र का 60 प्रतिशत और राज्य का हिस्सा 40 प्रतिशत है. वहीं योजना में शामिल अस्पतालों को लेकर 31 शिकायतें प्राप्त हुई, जिन पर कार्यवाही हुई है. इसके साथ कार्ड से इलाज करने पर मना करने वाले अनेक अस्पतालों को नोटिस जारी किया गया है, और कई अस्पतालों के खिलाफ जांच जारी है.

वीरता पुरस्कार पाने वाले जवानों को मिलने वाली आर्थिक सहायता पर सरकार का बड़ा खुलासा

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र का आज 14वां दिन है। आज सदन में कई बड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। गृह मंत्री विजय शर्मा ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में गुरुवार को प्रश्नकाल में भाजपा विधायक रामकुमार टोप्पो के सवाल के जवाब में जानकारी देते हुए कहा कि सशस्त्र बल वीरता पुरस्कार मिलने वाले जवानों-अधिकारियों को नियोक्ता, यानी जिस बल में वे भर्ती होते हैं, उन्हें 1 बार में 20 लाख की सम्मान राशि दी जाती है. उसके अलावा राज्य सरकार की तरफ से उन्हें 20 हजार प्रति माह जीवन भर के लिए दिया जाता है.

विधायक रामकुमार टोप्पो ने गृह मंत्री विजय शर्मा से पूछा कि क्या वीरता कार्य पर पदक प्राप्त करने वाले छत्तीसगढ़ राज्य सशस्त्र बल के जवानों-अधिकारियों को कोई सम्मान राशि दी जाती है? 2024 से अब तक कितने जवानों को वीरता पदक प्राप्त हुए हैं?

गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस एवं छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के जवानों को राष्ट्रपति वीरता पदक एवं वीरता पदक प्राप्त होने पर भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित मौद्रिक भत्ता प्रदाय किया जाता है, तथा राज्य पुलिस बल कार्मिकों को छत्तीसगढ़ शौर्य पदक प्राप्त होने पर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मौद्रिक भत्ता प्रदाय किया जाता है.

छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य के स्थाई निवासी जो विभिन्न राज्य बलों, केन्द्रीय अर्धसैनिक बलों एवं सेना में सेवारत हैं, तथा छत्तीसगढ़ के आम नागरिक, पुलिस बल कार्मिक, जिन्हें वीरतापूर्ण कार्य के लिए शौर्य-युद्ध सेवा मेडल श्रृंखला अन्तर्गत प्राप्त चक्र-मेडल प्राप्त होने पर दिए जाने वाले अनुदान राशि-भूमि के एवज में नगद राशि दी जाती है.

रायपुर संभाग में 510 हत्या, 677 बलवा और 1885 बलात्कार के मामले हुए दर्ज : शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान रायपुर शहर उत्तर भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने सवाल पूछा कि रायपुर संभाग में 1 जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2025 तक हत्या, बलात्कार, बलवा, चोरी और डकैती के कितने मामले दर्ज हुए हैं। जिस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने लिखित उत्तर देते हुए आंकड़े पेश किए। गृहमंत्री ने बताया कि 1 जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2025 के बीच रायपुर संभाग में हत्या के 510, बलात्कार के 1885, बलवा के 677, चोरी के 6293 और डकैती के 32 मामले दर्ज किए गए हैं। इन आंकड़ों के आधार पर कानून-व्यवस्था पर निगरानी रखी जा रही है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

एसआईआर पर संग्राम : 19 लाख लोगों के लापता होने का आरोप लगाते हुए विधानसभा में हंगामा

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने SIR के मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव लाया, खारिज होने पर विपक्ष का वॉकआउट

छत्तीसगढ़ विधानसभा में गुरुवार को एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) का मुद्दा जोरदार तरीके से गूंजा. नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने 19 लाख से ज्यादा लोगों के नाम कटने और लापता होने का गंभीर आरोप लगाते हुए स्थगन प्रस्ताव रखा. इस मुद्दे पर सत्ता और विपक्ष आमने-सामने आ गए और सदन में तीखा हंगामा देखने को मिला.

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने प्रस्ताव रखते हुए कहा कि रक्ष्रके दौरान 19 लाख 13 हजार 450 लोगों के नाम काट दिए गए हैं. उन्होंने सवाल उठाया कि जिनके नाम हटाए गए, उनका कोई रिकॉर्ड नहीं है, न ही उनकी स्थिति की कोई जानकारी है. महंत ने इसे गंभीर मानवीय और प्रशासनिक मुद्दा बताते हुए तत्काल चर्चा की मांग की. महंत के आरोपों पर सत्तापक्ष के विधायकों ने कड़ा विरोध जताया. उनका कहना था कि कांग्रेस के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वह ऐसे विषयों को उठाकर राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश कर रही है. सत्तापक्ष ने SIR को प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए आरोपों को निराधार बताया.

विपक्ष के विधायकों ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि SIR भाजपा के इशारे पर कराया गया है. कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा मामला बताते हुए कहा कि बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाना चिंताजनक है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए.

संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने साफ कहा कि यह विषय राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, इसलिए इस पर विधानसभा में चर्चा संभव नहीं है. उन्होंने नियमों का हवाला देते हुए स्थगन प्रस्ताव को अनुचित बताया.

सदन में बढ़ते हंगामे के बीच आसंदी ने स्थगन प्रस्ताव को अग्राह्य कर दिया. इसके बाद नाराज विपक्ष ने विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया. इस घटनाक्रम ने विधानसभा के माहौल को पूरी तरह गरमा दिया.

मौसम का बदला मिजाज

रायपुर समेत कई इलाकों में ओलावृष्टि की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तपती गर्मी के बीच अचानक मौसम का मिजाज बदल गया है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश और ओलावृष्टि ने दस्तक दी है। मौसम विभाग (क्टऊ) की मानें तो आज यानी 19 मार्च और कल 20 मार्च को प्रदेश के कई इलाकों में 50 किमी की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और बिजली गिरने की भी आशंका है।

मैदानी सूत्रों और मौसम केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में प्रदेश के कई हिस्सों में मानसून जैसा अहसास हुआ है। बारिश के आंकड़ों पर नजर डालें तो देवभोग में सबसे ज्यादा 50 टट बारिश दर्ज की गई है। करपावंड इलाके में 40 टट बारिश से खेत-खलिहान तरबतर हो गए। देवकर में 2 टट बारिश के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई है।

राजधानी रायपुर की बात करें तो आज सुबह से ही आसमान में बादलों का डेरा है। शहर के शास्त्री चौक, पचपेड़ी नाका और टाटीबंध जैसे इलाकों में शाम तक गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की पूरी संभावना है। गौरतलब है कि आज रायपुर का अधिकतम तापमान 34त्उ और न्यूनतम तापमान 24त्उ के आसपास रहने का अनुमान है। हालांकि, उमस थोड़ी बढ़ सकती है, लेकिन लू के थपेड़ों से फिलहाल राहत मिलेगी।

मौसम विभाग ने साफ किया है कि 19 मार्च को प्रदेश के कुछ खास हिस्सों में भारी बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से अंधड़ चल सकता है। पेड़ों और बिजली के खंभों के पास खड़े होने से बचें। आकाशीय बिजली गिरने का खतरा बना हुआ है।

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु में समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें : आलोक तिवारी
मो-नं- 7415469100

नशेड़ी लड़की ने किया पुलिस को परेशान

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बीच सड़क एक युवती ने शराब के नशे में जमकर हंगामा किया। 17 मार्च की रात राजीव गांधी चौक पर वाहन चेकिंग हो रही थी। तभी स्कूटी से आ रही युवती पुलिस को देख भागने लगी और गाड़ी सहित गिर गई। पुलिस के रोकने पर वह विवाद करने लगी। इस दौरान उसने पुलिस का हाथ पकड़ते हुए थाने ले चलने की बात कही। युवती ने ए भी कहा कि ज्यादा से ज्यादा फांसी होगा न और क्या होगा। युवती के हाईवोल्टेज ड्रामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

ग्रामीण विकास की बड़ी पहल : VB-G-RAM-G पर कार्यशाला

नई दृष्टिबिंदु/कवर्धा

पत्र सूचना कार्यालय (PIB) रायपुर द्वारा गुरुवार को कवर्धा में विबी-जी-राम-जीः ग्रामीण भारत का परिवर्तनकारी बदलाव विषय पर एक दिवसीय वातालर्प (मीडिया कार्यशाला) का आयोजन किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मिश्रा ने कहा कि श्इ-ॠ-फ्अट-ॠ केवल रोजगार तक सीमित योजना नहीं है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आजीविका को मजबूत करने की व्यापक पहल है। उन्होंने बताया कि योजना में कृषि चक्र को प्रभावित न करने के लिए 60 दिनों का विशेष ब्लॉक रखा गया है।

उन्होंने कहा कि देश की बड़ी आबादी गांवों में निवास करती है, ऐसे में यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाएगी। इसे विकसित भारत 2047 के लक्ष्य से भी जोड़ा गया है।

कार्यक्रम में मौजूद कलेक्टर गोपाल वर्मा ने योजना के क्रियान्वयन की जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का गारंटीकृत रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यशाला के अंत में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद हुआ, जिसमें सरकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिले के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के प्रतिनिधि शामिल हुए।

नेशनल ट्राइबल गेम्स

राजधानी में होंगे हॉकी, फुटबॉल, तैराकी, तीरंदाजी और वेट-लिफ्टिंग के आयोजन

जगदलपुर में एथलेटिक्स और अंबिकापुर में कुश्ती की प्रतियोगिताएं होंगी

32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 3000 जनजातीय खिलाड़ी करेंगे भागीदारी

KHELO INDIA TRIBAL GAMES 2026 CHHATTISGARH
भारत के जनजातीय खेल! छत्तीसगढ़ मा सुंदर मेल!

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

छत्तीसगढ़ में आयोजित हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में देशभर के जनजातीय खिलाड़ी सात खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। इसमें देश के 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 3000 खिलाड़ी भागीदारी करेंगे। आयोजन के दौरान पुरूष एवं महिला वर्गों में राजधानी रायपुर में पांच खेलों तथा बस्तर संभागीय मुख्यालय जगदलपुर और सरगुजा संभागीय मुख्यालय अंबिकापुर में एक-एक खेल होंगे। इसमें छत्तीसगढ़ के कुल 164 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें 86 पुरूष और 78 महिला खिलाड़ी शामिल हैं।

तीनों शहरों में नेशनल ट्राइबल गेम्स के लिए चिन्हांकित खेल स्थलों व मैदानों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार करने का काम जोरों पर है। रायपुर के पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय फुटबॉल मैदान और स्वामी विवेकानंद एथलेटिक्स स्टेडियम कोटा में फुटबॉल की प्रतियोगिताएं होंगी। रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में हॉकी की स्पधाएं होंगी। वहीं रायपुर के अंतरराष्ट्रीय स्वीमिग पूल में तैराकी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग संचालनालय के ओपन मैदान में तीरंदाजी तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ओपन ग्राउंड में वेट-लिफ्टिंग की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी।

कबड्डी और मलखंब भी शामिल

जगदलपुर के धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में एथलेटिक्स और अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम में कुश्ती की प्रतियोगिताएं होंगी। ट्राइबल गेम्स में देश के दो परंपरागत खेलों कबड्डी और मलखंब को भी डेमो गेम्स के रूप में शामिल किया गया है। कबड्डी की स्पधाएं रायपुर के सरदार बलबीर सिंह इंडोर स्टेडियम और मलखंब का प्रदर्शन अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम में होगा।

सेप्टिक टैंक हादसे पर आयोग ने दिए जांच के आदेश

रायपुर। राजधानी के रामकृष्ण केयर अस्पताल में सेप्टिक टैंक सफाई के दौरान तीन सफाई कर्मियों की मौत के मामले में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग ने जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की बात कही है।

आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल ने घटना पर दुख जताते हुए इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि मामले में जिम्मेदारी तय की जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। आयोग ने निर्देश दिया है कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है, जिसमें सेप्टिक टैंक की मैनुअल सफाई पर रोक और सुरक्षा उपकरणों का उपयोग अनिवार्य है। मृतकों के परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता और पुनर्वास उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पौष्टिक आहार दें अपने बच्चों को

अपने बच्चे के आहार को लेकर हर पालक चिंतित रहता है फिर चाहे वो किसी भी वर्ग का क्यों न हो। लेकिन सभी पालक नहीं जानते कि स्वास्थ्यवर्धक-पौष्टिक भोजन में कौन सी चीज को किस मात्रा में शामिल करना चाहिए।

झुग्गी बस्ती के बच्चों के कुपोषित होने का कारण साफ है कि उन्हें पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक आहार ही नहीं मिल पाता लेकिन संभ्रांत परिवारों के बच्चे भी कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। ये बच्चे पीज्जा , बर्गर, केक-पेस्ट्री, सोडा, समोसे-कचोरी और फ्रेंच फ्राइज जैसी चीजें ही खाना पसंद करते हैं जिससे उन्हें भारी मात्रा में कैलोरी तो मिल जाती है लेकिन पोषण प्राप्त नहीं होता। इसलिए बच्चे मोटापे और कुपोषण के शिकार एकसाथ हो जाते हैं। पालकों को पौष्टिक आहार के बारे में जानकारी होना बेहद जरुरी है ताकि बच्चे कुपोषण और मोटापे जैसी बीमारियों से बच सकें। सूक्ष्म पोषक तत्व खाने से मिलने वाले वे तत्व हैं जिनकी शरीर को बहुत कम मात्रा में आवश्यकता होती है। थोड़ी मात्रा में ही सही लेकिन ये तत्व शरीर के सही ढंग से काम करने के लिए अत्यावश्यक होते हैं।

सोडियम

शरीर में तरल पदार्थ का संतुलन बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होता है। रक्त का पी.एच. लेवल नियमित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

मैंग्नीज

हड्डियों के निर्माण और ऊर्जा के उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फैट के चयापचय में सहायक।

मैग्नीशियम

हृदय दर (रिदम) को नियमित करने के लिए महत्वपूर्ण। यह रक्त में मौजूद शर्करा (ब्लड ग्लुकोज़) को ऊर्जा में परिवर्तित करने में सहायक होता है। साथ ही कैल्शियम और विटामिन-सी जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों के चयापचय के लिए आवश्यक है।

लौह तत्व

हमारे शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं और लिंफोसाइट्स के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।

आयोडीन

थायरॉइड ग्रंथि के कार्य और विकास के लिए अत्यावश्यक होता है। फैट के चयापचय, यह ऊर्जा के उत्पादन और शरीर के विकास के लिए सहायक है।

क्लोराइड

यह कोशिकाओं में पानी और इलेक्ट्रोलाइट के स्तर को नियमित करने के साथ ही कोशिकाओं का पी.एच. लेवल बनाए रखने में सहायक है। आहार के जरिए पर्याप्त सूक्ष्म पोषक तत्व प्राप्त करना कोई कठिन कार्य नहीं है। बच्चे को संतुलित आहार देने की ओर ध्यान दें। सूखे मेवे, साबुत अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियां, विभिन्न रंगों के फल व सब्जियां (काले अंगूर, बेर, चुंकदर, आलूबुखारे आदि)। खाने में तरह-तरह की चीजों को शामिल करने से सभी प्रकार के पोषक तत्व प्राप्त हो जाते हैं।

गर्मियों में रखें अपना खास ख्याल

मौसम का मिजाज बदल गया है और अब गर्मी अपना असर दिखाने लगी है। बदले मौसम में फिट बने रहने के लिए लाइफ स्टाइल में भी बदलाव जरूरी है। अपने रूटीन में बदलाव की शुरुआत करने की जरूरत है, ताकि आने वाले महीनों में आप पूरी तरह स्वस्थ रह सकें। गर्मी में तमाम बीमारियां भी लोगों को प्रभावित कर सकती है। ऐसे मौसम में जरूरी है कि अपने खानपान से लेकर पहनावे में भी बदलाव किया जाए। वहीं, अपने स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। शहर की तेज गर्मी को देखते हुए जरूरी है कि पहले से ही इस मौसम के लिए अपनी प्लानिंग कर ली जाए। इससे मौसम के नकारात्मक असर से बचा जा सकेगा। एक्सपर्ट की मानें तो गर्मी ज्यादा परेशान न करे इसके लिए जरूरी है कि सुबह जल्दी उठकर अपना रूटीन बनाया जाए। खासतौर पर अपनी डाइट का ध्यान रखा जाए।

जरूरी काम दोपहर तक पूरे करें

तेज धूप से बचने के लिए जरूरी है कि अपने दिन के जरूरी कामों को दोपहर एक बजे तक पूरा कर लिया जाए। इसके लिए सुबह जल्दी उठकर अपने दिन की प्लानिंग करें। इसमें अपने जरूरी कामों की लिस्ट तैयार कर उन्हें धूप के तेज होने से पहले पूरा करने की कोशिश करें।

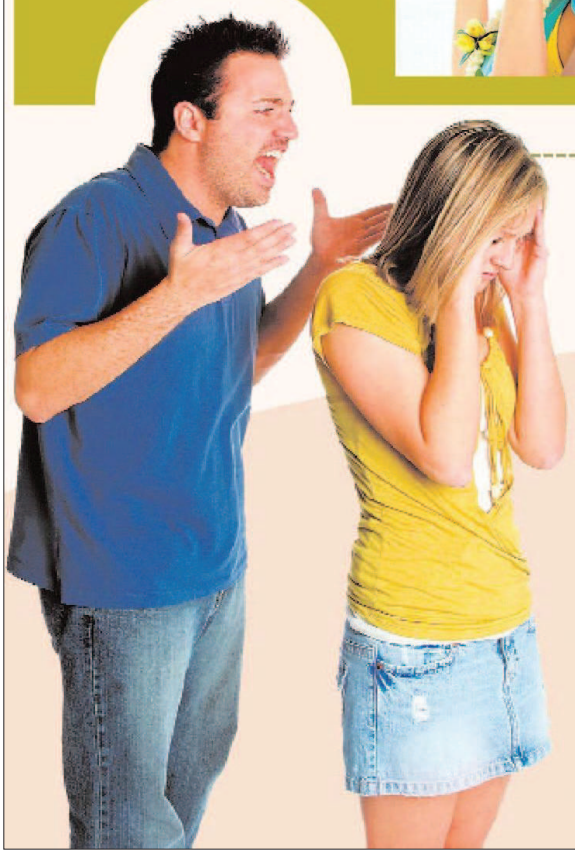

आज की लड़कियों की पसंद कुर्ते

गर्मियों का मौसम शुरू होने के साथ ही बाजार में लेडीज कुर्तों की ढेरों वेरायटी नजर आने लगी है। बेहिसाब चटख रंगों में उपलब्ध ये कुरते दिखने में बेहद ही आकर्षक लगते हैं। आप इन्हें दुपट्टे के साथ और बिना दुपट्टे के भी पहन सकती हैं। मैचिंग की चूड़ीदार पजामी, पटियाला सलवार या फिर जींस के साथ भी ये कुरते खूब फबते हैं। गर्मियों में ये कुरते आमतौर पर हर लड़की के वार्डरोब का हिस्सा बन ही जाते हैं। हर बार की तरह इस बार भी बाजार में इन कुरतों की ढेरों वेरायटी देखने को मिल रही हैं। ब्रांडेड शॉप्स की बात करें तो पेंटालून्स के अलावा सभ्यता, फैब इंडिया आदि में सूती कुरतों की बेहतरीन रेंज देखने को मिलती है। इनके साथ मैचिंग की लैगिंग्स पहन सकते हैं। इनकी मैचिंग भी इस तरह से की जाती है कि रंग एकदम ब्राइट और खूबसूरत लगें। इन कुरतों में प्रिंट्स और डिजाइन की भरमार देखने को मिलती है।

सूती के इन कुरतों को इन दिनों आकर्षक और मॉडर्न लुक देने के लिए इनके नेक स्टाइल पर काफी प्रयोग किए जा रहे हैं। ये बोल्ड और मॉडर्न नेक स्टाइल इन कुरतों को सामान्य कुरतों या सूट-सलवार से भिन्न करते हैं। यही वजह है कि अब मॉडर्न युवतियों के वार्डरोब में भी आपको कुरते देखने को मिल जाएंगे। नेक स्टाइल की बात करें तो इन दिनों सूती कुरतों में बोट नेक, हॉल्टर नेक, चाइनीज कॉलर आदि चलन में हैं। बोट नेक की बात करें तो आजकल इनमें डोरी स्टाइल भी चल रहा है, वहीं हॉल्टर नेक वाले कुरतों को भी युवतियां खूब पसंद कर रही हैं। पहले जहां अनारकली स्टाइल के कुरते सिर्फ पार्टीवियर ड्रेसेज के कलेक्शन में ही उपलब्ध होते थे, वहीं अब ये स्टाइल रोजमर्रा के सूती कुरतों में भी खूब चल रहा है। शॉर्ट और लॉन्ग दोनों तरह के कुरतों में अनारकली स्टाइल इन दिनों काफी पसंद किया जा रहा है। शॉर्ट कुरतों में भी यह स्टाइल लड़कियां काफी पसंद कर रही हैं। इन्हे वे जींस के साथ ही मैचिंग लैगिंग्स के साथ भी पहन रही हैं। इसके अलावा लॉन्ग अनारकली कुरतों को पजामी और दुपट्टे के साथ कैरी किया जा रहा है।

इन सूती कुरतों में रंग और डिजाइन की बात करें तो इसकी भरमार है। राजस्थानी वर्क जैसे, शीशे का काम, थ्रेड वर्क आदि के अलावा लखनऊ का चिकन वर्क, आंध्रप्रदेश का कांथा वर्क आदि भी इन कुरतों में देखने को मिल रहा है। इन कुरतों में ज्यादातर चटख रंगों का कॉम्बिनेशन देखने को मिल रहा है। जैसे लाल, नारंगी, गुलाबी, नीला, पीला, हरा आदि। राजस्थानी का टाई एंड डाई और बांधनी वर्क भी इन कुरतों में खूब पसंद किया जा रहा है।

परिवार के साथ जरूरी व्यवहारकुशलता

कभी हम सोचने का प्रयास नहीं करते हैं कि क्यों युवा होते बच्चे अक्सर परिवार से अलग हो जाते हैं? क्या परिवार में स्नेह की, समर्पण की, जुड़ाव की कमी इसका महत्वपूर्ण कारण नहीं होती? और यह कमी उनके बचपन में हमने ही तो नहीं दी होती है? यदि आज वे उसे सूद सहित लौटाते हैं तो इसमें भूल उनकी नहीं, हमारी है कि हमने उन्हें इस लायक नहीं बनाया कि वे परिवार रूपी वृक्ष की जड़ों की सींचकर मजबूत बनाए रखें।

रिश्ते खुशी देते हैं, तो एवज में उन्हें सहेजने का कर्म भी तो करना होगा न...! ये सच है कि जो हमारे सबसे करीब होते हैं, अक्सर वे ही नजर नहीं आते, पूरी दुनिया नजर आती है, लेकिन वे ही भूले से रहते हैं। हमारी खीझ, कमी, झल्लाहट, हताशा और नकारात्मकता का शिकार होते हमारे अपने हमारे प्यार, सांत्वना, परवाह, समर्पण और तरलता का भी तो हक रखते हैं, तो क्यों सारी दुनिया में डिसेंट होते-होते हम अपनों के ही सामने फट पड़ते हैं। उन्हें भी तो अपनी सॉफ्टनेस का दर्शन कराएं।

सुबह होते ही मानों घर में भूचाल आ जाता है। बर्तन-भांडे के साथ मुंह भी बजने लगते हैं। ये नहीं किया, वो नहीं हुआ, इतनी-सी बात समझ में नहीं आती, तुम्हें तो कुछ भी नहीं आता जैसी ढेरों नहीं-नहीं... घर के वातावरण में घुलती जाती हैं। अलार्म नहीं बजा, काम समय पर नहीं हुआ, देर हो गई, इन सबका गुस्सा उतरा स्कूल के लिए तैयार होते बच्चों पर... कारण तो जरा-सा था, मगर उसका प्रभाव एक स्थायी नकारात्मकता के रूप में दिनभर के लिए बच्चों के दिलों-दिमाग में बस गया।

घर-दफ्तर में अपनी व्यवहारकुशलता के लिए माने जाने वाले श्रीमान घर में घुसते ही मानो चोला बदल डालते हैं। घर में घुसते ही दृष्टि केवल कटाक्ष करने वाले कारणों को, वस्तुओं को ढूंढती रहती है। चाय बेस्वाद है से शुरू हुआ संवाद कितना अस्त-व्यस्त है घर, कितना शोर-शराबा है, सलीके से बैठो, चुप तो रहो थोड़ी देर, आखिर इतना भी नहीं होता तुमसे... जैसे प्रहारों के साथ इति पाना है और स्वागतार्थ निकट आए पत्नी और बच्चे चुपचाप इधर-उधर हो लेते हैं... मन में आपके व्यवहार की नकारात्मक छाप लिए ...।

हम अक्सर कहते हैं कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, वह परिवार से जुड़कर रहना चाहता है, पर क्या यह जुड़ाव अपना अनर्गल, अवांछित गुस्सा उतारने के लिए रखा जाता है? होना तो यह चाहिए कि अपने प्रिय व्यक्ति के सामने आते ही सारा गुस्सा, सारा क्षोभ तिरोहित होकर प्रेम का संगीत फूटना चाहिए और उस सरल सामंजस्य के द्वारा छोटी-मोटी परेशानियों का हल निकाला जाना चाहिए... मगर अक्सर जो हमें सबसे प्रिय होता है, उसी पर बाहर वालों के गुस्से का गुबार फूट पड़ता है, बिना यह जानें कि इस बात पर उसकी प्रतिक्रिया क्या होगी?

वह जानती है कि मैं उससे बहुत प्यार करता हूं या वे मेरे बच्चे हैं, मुझे समझते हैं जैसी बातों से हम अपने आप को दिलासा भले ही दे लें, मगर वास्तव में संबंधों का रसायन भी क्रिया-प्रतिक्रिया के नियम पर ही चलता है, यानी हम जो देंगे, वही हमें प्राप्त होगा... प्यार के बदले प्यार और नफरत के बदले नफरत... आपकी नकारात्मकता का आज भले ही आपको जवाब न मिले, मगर कालांतर में आपको इसकी प्रतिक्रिया का शिकार किसी न किसी रूप में होना ही पड़ेगा।

पालकों के व्यक्तित्व की नकारात्मकता, चिढ़चिढ़ाहट अनजाने ही बच्चों के स्वभाव में आती-जाती है और वे भी उक्त परिस्थिति में अपनी मां या पिता के समान रिएक्ट करने लगते हैं... यानी यह नकारात्मकता पीढ़ी-दर-पीढ़ी संग्रहित होती जाती है। एक-के-बाद दूसरे परिवार को असंतुष्ट-असंतुलित करती जाती है।

हम क्यों इस सच्चाई को अनदेखा करते हैं कि जीवन है तो सुख-दुख, परेशानी-राहत का चक्र चलता ही रहेगा... उनसे व्यथित हो रिश्तों को कटु बनाने और विभक्त होने की बजाय प्रेम की, आपसी संबंधों के माधुर्य की डोर को सहेजने का प्रयास करना क्या हर तरह से शांतिदायक, लाभकारी सिद्ध नहीं होगा? यूं भी प्यार की परिभाषा ही है आप जिससे प्यार करते हैं, उसे खुश रखें, परिवार के माहौल को आनंदित बनाएं, ताकि परेशानी के क्षणों में भी आप कह सकें - हम सब साथ हैं।

चारधाम यात्रा से मिलते हैं 10 शुभ फल, क्यों है महत्व चारों धाम की यात्रा का

3 मई 2022 मंगलवार से छोटा चार धाम की यात्रा प्रारंभ हो गई है। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा को छोटा चार धाम यात्रा कहते हैं। वैसे बड़े चार धाम के नाम है बद्रीनाथ, जगन्नाथ, रामेश्वरम और द्वारिका धाम। चारधाम की यात्रा करने से मिलते हैं 10 शुभ फल। जानिए यात्रा का महत्व।

क्यों महत्व रखता है छोटा चार धाम

उक्त चारों ही स्थान पर दिव्य आत्माओं का निवास माना गया है। यह बहुत ही पवित्र स्थान माने जाते हैं। केदारनाथ को जहां भगवान शंकर का आराम करने का स्थान माना गया है वहीं बद्रीनाथ को सृष्टि का आठवां वैकुंठ कहा गया है, जहां भगवान विष्णु 6 माह निद्रा में रहते हैं और 6 माह जागते हैं। यहां बदरीनाथ की मूर्ति शालग्रामशिला से बनी हुई, चतुर्भुज ध्यानमुद्रा में है। यहां नर-नारायण विग्रह की पूजा होती है और अखण्ड दीप जलता है, जो कि अचल ज्ञानज्योति का प्रतीक है। केदार घाटी में दो पहाड़ हैं- नर और नारायण पर्वत। विष्णु के 24 अवतारों में से एक नर और नारायण ऋषि की यह तपोभूमि है। उनके तप से प्रसन्न होकर केदारनाथ में शिव प्रकट हुए थे। दूसरी ओर बद्रीनाथ धाम है जहां भगवान विष्णु विश्राम करते हैं। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी। भगवान केदारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के बाद बद्री क्षेत्र में भगवान नर-नारायण का दर्शन करने से मनुष्य के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे जीवन-मुक्ति भी प्राप्त हो जाती है। इसी आशय को शिवपुराण के कोटि रुद्र संहिता में भी व्यक्त किया गया है।

चारधाम यात्रा के 10 शुभ फल

- **पाप हो जाते हैं नष्ट** : इस यात्रा को करने से मनुष्य के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं।
- **जन्म मरण से मिलती मुक्ति** : कहते हैं कि इस यात्रा में मृत्यु को प्राप्त हो जाना सबसे शुभ है। व्यक्ति को जीवन-मुक्ति प्राप्त हो जाती है। बद्रीनाथ के बारे में एक कहावत प्रचलित है कि 'जो जाए बदरी, वो ना आए ओदरी'। अर्थात जो व्यक्ति बद्रीनाथ के दर्शन कर लेता है, उसे पुनः उदर यानी गर्भ में नहीं आना पड़ता है। शिव पुराण के अनुसार केदारतीर्थ में पहुंचकर, वहां केदारनाथ ज्योतिर्लिंग का पूजन कर जो मनुष्य वहां का जल पी लेता है, उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।
- **बढ़ता है अनुभव** : चारधाम यात्रा से हमें नए-नए अनुभव होते हैं, हमारी स्मृतियां और सोच बढ़ती है। हम शिक्षित होते हैं।
- **प्रकृति के होते हैं दर्शन** : यात्राओं से हम यह देख पाते हैं कि धरती कैसी है, प्रकृति कैसी है, शहर, गांव और कस्बें कैसे हैं।
- **संस्कृति के होते दर्शन** : यात्राओं से हमें भिन्न-भिन्न संस्कृति और धर्म की भाषा, भूषा और भोजन का पता चलता है। यात्राओं से ही जान सकते हैं कि लोग कैसे हैं, उनके विचार कैसे हैं और अततः हम यह निर्णय ले सकते हैं कि हम कैसे हैं। यात्राओं से जीवन में कई तरह के रंग भर जाते हैं।
- **अनुभव का मिलता फायदा** : बहुत से लोग एक शहर छोड़कर दूसरे शहर घूमते रहते हैं। इससे उन्हें पता चलता है कि कहां क्या मिलता है और कितने में मिलता है। ऐसा करके वे अपने शहर में वह व्यापार शुरू कर सकते हैं जो कि उनके शहर में नहीं होता है। ऐसी भी बहुत सारी बाते हैं जो आपके शहर में नहीं हो रही है। यदि आप यात्रा करेंगे तो पता चलेगा कि आपके शहर, गांव या कस्बे में क्या नहीं हो रहा है। जैसे कुछ लोग अमेरिका से सीखकर यहां आते हैं और अपने शहर को कुछ नया देते हैं।
- **आयु वृद्धि** : तीर्थ यात्रा में अक्सर पैदल चलना होता है। पैदल चलने से शरीर सुगठित और पुष्ट होता है। जंघा, भुजा, नाड़ी और मांस पेशियां परिपुष्ट हो जाती है। तीर्थ यात्रा करने से व्यक्ति को हर तरह की जलवायु का सामना करना होता है जिसके चलते वह सेहतमंद बनता है और नए नए अनुभव प्राप्त करता है। पहाड़ों पर शुद्ध हवा से नए जीवन का संचार होता है। आयु में वृद्धि होती है।
- **वंश को जानने का मिलता मौका** : तीर्थ यात्रा के दौरान व्यक्ति अपने देश और धर्म को जानने का प्रयास करता है। तीर्थ पुरोहित, पंडा से मिलकर अपने कुल खानदान को जानता है। तपस्वी, मनस्वी, साधु, संत आदि के आश्रमों में रुकने का मौका मिलता है। उनके आश्रम में नहीं ठहरते हैं तो उनसे मिलने का मौका मिलता है जिसके चलते मानसिक लाभ मिलता है।
- **जीवन का लक्ष्य और उद्देश्य** : हिन्दू धर्म में चार धर्मों की तीर्थ यात्रा करने के महत्व के संबंध में विस्तार से उल्लेख मिलता है। इसके माध्यम से व्यक्ति देश के संपूर्ण लोगों, उनकी संस्कृति, भाषा, इतिहास, धर्म और परंपरा आदि से परिचित ही नहीं होता बल्कि वह अपने भीतर बौद्धिकता और आत्मज्ञान के रास्ते भी खोल लेता है। तीर्थ यात्रा करने से व्यक्ति में खुद के बारे में, लोगों के बारे में समझने की बुद्धि का विकास तो होता ही है साथ ही उसे अपने जीवन का लक्ष्य और उद्देश्य भी पता चलता है। अक्सर लोग जीवन के अंतिम पड़ाव में तीर्थ यात्रा पर जाते हैं लेकिन जो जवानी में गया समझो उसने ही सबकुछ पाया। वही परिपक्व और अनुभवी व्यक्ति है।

क्यों करते हैं तीर्थ यात्रा

- मोक्ष के लिए करते हैं तीर्थ दर्शन
- तीर्थ मार्ग में सत्संग से मिलता ज्ञान।
- जीवन का सत्य पचा चलता है।

तीर्थ यात्रा में यह 14 काम हरगिज न करें पुण्य के बजाय मिलेगा पाप

हिन्दू धर्म में तीर्थ यात्रा करने का खासा महत्व है। तीर्थ करने के कई सांसारिक और आध्यात्मिक लाभ मिलते हैं। कई लोग तीर्थ यात्रा पर जाते हैं लेकिन उन्हें तीर्थ यात्रा करने के नियम नहीं मालूम रहते हैं। वहां जाकर वे ऐसे कार्य करते हैं जो कि तीर्थक्षेत्र में वर्जित माने गए हैं। आओ जानते हैं कि तीर्थ क्षेत्र में कौनसे 14 कार्य हरगिंज नहीं करना चाहिए। तीर्थ यात्रा करने समय इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- तीर्थ यात्रा के दौरान जप, तप और दान करना चाहिए। जो ऐसा नहीं करता है वह रोग और दोष का भागीदार बनता है।
- दूसरी जगह किया गया पाप तीर्थ यात्रा में नष्ट हो जाता है लेकिन तीर्थ में किया गया पाप कभी नष्ट नहीं होता है।
  अन्यत्र हिकृतं पापं तीर्थ मासाद्य नश्यति।
  तीर्थेषु यत्कृतं पापं वज्रलेपो भविष्यति।
- पत्नि या पति को छोड़कर किए गए तीर्थ का पुण्य फल प्राप्त नहीं होता है। पत्नी के होते या पति के जिंदा रहते उन्हें छोड़कर अकेले तीर्थ नही किया जाता।
- तीर्थ यात्रा के दौरान या तीर्थक्षेत्र में किसी भी प्रकार का व्यसन करना या मांसाहार का सेवन करने से पाप लगता है।
- तीर्थ परिक्रमा या मंदिर परिक्रमा करते वक्त अधूरी परिक्रमा नहीं करना चाहिए और भगवान के सामने या तीर्थ के प्रमुख पड़ाव पर रुककर परिक्रमा करना चाहिए।
- तीर्थ क्षेत्र में या मंदिर में भगवान के समक्ष या श्रीविग्रह समक्ष पैर पसारकर बैठना अशुभ माना जाता है। इससे पाप लगता है। श्रीविग्रह के सामने जोर से बोलना और सांसारिक वार्तालाप करना भी मना है।
- तीर्थ में नदी या मूर्ति के सामने सोना और घुटनों को ऊंचा करके उनकों हाथों से लपेटकर नहीं बैठना चाहिए। मूर्ति के सामने चिल्लाना और कलह करना, अश्लील शब्द बोलना पाप है।
- तीर्थ यात्रा के दौरान या तीर्थक्षेत्र में झूठ बोलना पाप माना जाता है जिससे तीर्थ का फल नहीं मिलता है।
- भगवान को निवेदित किए बिना किसी भी वस्तु को नहीं खाना-पीना चाहिए यानी भोग लगाए ही भोजन करना या उपयोग में लाने से बचे हुए भोजन को भगवान के लिए निवेदन करना पाप है और ऋतु फल खाने से पहले भगवान को जरुर चढ़ाएं।
- अपने या अपने परिवार के सदस्यों के ही रुपयों से तीर्थ करना चाहिए।
- पैरों में खड़ाऊ पहनकर या सवारी चढ़कर तीर्थ के मुख्य क्षेत्र या मंदिर में नहीं जाना चाहिए।
- अशौच अवस्था में तीर्थ या मंदिर में नहीं जाते हैं। तीर्थ के मंदिर मे बगैर शुद्धकरण के दाखिल होना पाप है।
- किसी को कोसना, किसी की निंदा या स्तुति करना, रोना या जोर जोर से हंसना, किसी को दंड देना, आत्म-प्रशंसा करना, देवताओं को कोसना आदि भी पाप है।
- पलंग लगाकर सोना, कंबल ओढ़कर बैठना, अधोवायु का त्याग करना, आरती के समय उठकर चले जाना, एक हाथ से प्रणाम करना, शक्ति रहते हुए गौण उपचारों से पूजा करना, मुख्य उपचारों का प्रबन्ध न करना, मंदिर के सामने से निकलते हुए प्रणाम न करना। भजन-कीर्तन आदि के दौरान किसी भी भगवान का वेश बनाकर खुद की पूजा करवाना, मूर्ति के ठीक सामने खड़े होना, मंदिर से बाहर निकलते वक्त भगवान को पीठ दिखाकर बाहर निकलना, मंदिर में रुपये या पैसे फेंकना आदि सभी पाप है।

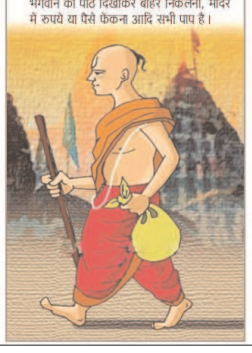

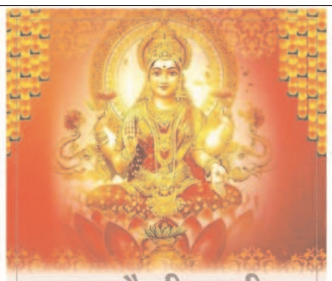

वरदान है श्री लक्ष्मी सूक्त पाठ, धन, धान्य, सुख, ऐश्वर्य की प्राप्ति के लिए जरूर पढ़ें

श्री लक्ष्मीसूक्तम पाठ
पद्मानने पद्मिनि पद्मपत्रे पद्मप्रिये पद्मदलायताक्षि।
विश्वप्रिये विश्वमनोनुकूले त्वत्पादपद्मं मयि सन्निधत्स्व।
हे लक्ष्मी देवी! आप कमलमुखी, कमल पुष्प पर विराजमान, कमल-दल के समान नेत्रों वाली, कमल पुष्पों को पसंद करने वाली हैं। सृष्टि के सभी जीव आपकी कृपा की कामना करते हैं। आप सबको मनोनुकूल फल देने वाली हैं। हे देवी! आपके चरण-कमल सदैव मेरे हृदय में स्थित हों।
पद्मानने पद्मऊरू पद्माक्षी पद्मसम्भवे।
तन्मे भजसिं पद्माक्षि येन सौख्यं लभाम्यहम।।
हे लक्ष्मी देवी! आपका श्रीमुख, ऊरु भाग, नेत्र आदि कमल के समान हैं। आपकी उत्पत्ति कमल से हुई है। हे कमलनयनी! मैं आपका स्मरण करता हूँ, आप मुझ पर कृपा करें।
अश्वदायी गोदायी धनदायी महाधने।
धनं मे जुष तां देवि सर्वांकामांश्च देहि मे।
हे देवी! अश्व, गौ, धन आदि देने में आप समर्थ हैं। आप मुझे धन प्रदान करें। हे माता! मेरी सभी कामनाओं को आप पूर्ण करें।
पुत्र पौत्र धनं धान्यं हस्त्यश्वादिगवेरथम।
प्रजानां भवसी माता आयुष्मंतं करोतु मे।
हे देवी! आप सृष्टि के समस्त जीवों की माता हैं। आप

मुझे पुत्र-पौत्र, धन-धान्य, हाथी-घोड़े, गौ, बैल, रथ आदि प्रदान करें। आप मुझे दीर्घ-आयुष्य बनाएँ।
धनमाग्नि धनं वायुर्धनं सूर्यो धनं वसु।
धन मिंद्रो बृहस्पतिर्वरुणां धनमस्तु मे।
हे लक्ष्मी! आप मुझे अग्नि, धन, वायु, सूर्य, जल, बृहस्पति, वरुण आदि की कृपा द्वारा धन की प्राप्ति कराएँ।
वैनतेय सोमं पिव सोमं पिवतु वृत्रहा।
सोमं धनस्य सोमिनो मह्यं ददातु सोमिनः।
हे वैनतेय पुत्र गरुड़! वृत्रासुर के वधकर्ता, इंद्र, आदि समस्त देव जो अमृत पीने वाले हैं, मुझे अमृतयुक्त धन प्रदान करें।
न क्रोधो न च मात्सर्यं न लोभो नाशुभामतिः।
भवन्ति कृतपुण्यानां भक्तानां सूक्त जापिनाम।।
इस सूक्त का पाठ करने वाले की क्रोध, मत्सर, लोभ व अन्य अशुभ कर्मों में वृत्ति नहीं रहती, वे सत्कर्म की ओर प्रेरित होते हैं।
सरसिजनिलये सरोजहस्ते धवलतरांशुक गंधमाल्यशोभे।
भगवति हरिवल्लभे मनोज्ञे त्रिभुवनभूतिकरी प्रसीद मह्यम।।
हे त्रिभुवनेश्वरी! हे कमलनिवासिनी! आप हाथ में कमल धारण किए रहती हैं। श्वेत, स्वच्छ वस्त्र, चंदन व माला से युक्त हे विष्णुप्रिया देवी! आप सबके मन की जानने वाली हैं। आप मुझ दीन पर कृपा करें।
विष्णुपत्नीं क्षमां देवीं माधवीं माधवप्रियाम।
लक्ष्मीं प्रियसखीं देवीं नमाम्यच्युतवल्लभाम।
भगवान विष्णु की प्रिय पत्नी, माधवप्रिया, भगवान अच्युत की प्रेयसी, क्षमा की मूर्ति, लक्ष्मी देवी मैं आपको बारंबार नमन करता हूँ।
महादेव्यै च विद्महे विष्णुपत्न्यै च धीमहि।
तन्नो लक्ष्मीः प्रचोदयात
हम महादेवी लक्ष्मी का स्मरण करते हैं। विष्णुपत्नी लक्ष्मी हम पर कृपा करें, वे देवी हमें सत्कार्यों की ओर प्रवृत्त करें।
चंद्रप्रभां लक्ष्मीमेशानीं सूर्याभांलक्ष्मीमेश्वरीम।
चंद्र सूर्याग्निसंकाशां श्रिय देवीमुपास्महे।
जो चंद्रमा की आभा के समान शीतल और सूर्य के समान परम तेजोमय हैं उन परमेश्वरी लक्ष्मीजी की हम आराधना करते हैं।
श्रीर्वर्चस्वमायुष्यमारोग्यमाभिधाच्छ्रोभमानं महीयते।
धान्य धनं पशु बहु पुत्रलाभम सत्संवत्सरं दीर्घमायुः।
इस लक्ष्मी सूक्त का पाठ करने से व्यक्ति श्री, तेज, आयु, स्वास्थ्य से युक्त होकर शोभायमान रहता है। वह धन-धान्य व पशु धन सम्पन्न, पुत्रवान होकर दीर्घायु होता है।

आद्य शंकराचार्य कौन थे, भारतीय संस्कृति को जोड़े रखने में उनका योगदान

महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने अपनी पुस्तक सत्यार्थ प्रकाश में लिखा है कि आदि शंकराचार्यजी का काल लगभग 2200 वर्ष पूर्व का है। दयानंद सरस्वती जी 138 साल पहले हुए थे। इस वक्त अंग्रेजी वर्ष 2022 चल रहा है और विक्रम संवत 2079 चल रहा है। विक्रम संवत इससे 57 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ था। इस वक्त कलि संवत 5123 चल रहा है। युधिष्ठिर संवत कलि संवत से 38 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ था। मतलब इस वक्त युधिष्ठिर संवत 5162 चल रहा है। आदि शंकराचार्य का जन्म केरल के मालाबार क्षेत्र के कालड़ी नामक स्थान पर नम्बूद्री ब्राह्मण शिवगुरु एवं आर्याम्बा के यहां हुआ था और वे 32 वर्ष तक ही जीए थे। 788 ईस्वी में जिन शंकराचार्य का जन्म हुआ था वे अभिनव शंकराचार्य थे।

चार धामों में चार मठ की स्थापना

आदि शंकराचार्य ने चार मठों की स्थापना की थी। उत्तर दिशा में उन्होंने बद्रिकाश्रम में ज्योतिर्मठ की स्थापना की थी। यह स्थापना उन्होंने 2641 से 2645 युधिष्ठिर संवत के बीच की थी। इसके बाद पश्चिम दिशा में द्वारिका में शारदामठ की स्थापना की थी। इसकी स्थापना 2648 युधिष्ठिर संवत में की थी। इसके बाद उन्होंने दक्षिण में श्रंगेरी मठ की स्थापना भी 2648 युधिष्ठिर संवत में की थी। इसके बाद उन्होंने पूर्व दिशा में जगन्नाथ पुरी में 2655 युधिष्ठिर संवत में गोवर्धन मठ की स्थापना की थी। आप इन मठों में जाएंगे तो वहां इनकी स्थापना के बारे में लिखा जान लेंगे। आदि शंकराचार्य के समय जैन राजा सुधनवा थे।

दशनामी संप्रदाय

शंकराचार्य ने ही हर क्षेत्र के हिन्दुओं को संगठित करने और जातिवाद को समाप्त करने के लिए दसनामी सम्प्रदाय की स्थापना की थी। यह दस संप्रदाय निम्न हैं:- 1.गिरि, 2.पर्वत और 3.सागर। इनके ऋषि हैं भ्रगु। 4.पुरी, 5.भारती और 6.सरस्वती। इनके ऋषि हैं शांडिल्य। 7.वन और 8.अरण्य के ऋषि हैं काश्यप। 9.तीर्थ और 10.आश्रम के ऋषि अवगत हैं। इन्हीं संप्रदाय को आजकल संत संप्रदाय माना जाता है जिनके 13 अखाड़े कुंभ में स्नान करते हैं। शंकराचार्य ने हिंदू धर्म को व्यवस्थित करने का भरपूर प्रयास किया।

शंकराचार्य के चार शिष्य

1.पद्मपाद (सनन्दन), 2.हस्तामलक 3.मंडन मिश्र 4.तोटक (तोटकाचार्य)। माना जाता है कि उनके ये शिष्य चारों वर्णों से थे।

नागा परंपरा

दशनामियों के दो कार्यक्षेत्र निश्चित किए- पहला शस्त्र और दूसरा शास्त्र। यह भी कहा जाता है कि शंकराचार्य के सुधारवाद का तत्कालीन समाज में खूब विरोध भी हुआ था और साधु समाज को उग्र और हिंसक साम्प्रदायिक विरोध से जूझना पड़ता था। काफी सोच-विचार के बाद शंकराचार्य ने वनवासी समाज को दशनामी परम्परा से जोड़ा, ताकि उग्र विरोध का सामना किया जा सके। वनवासी समाज के लोग अपनी रक्षा करने में समर्थ थे, और शस्त्र प्रवीण भी। इन्हीं शस्त्रधारी वनवासियों की जमात नागा साधुओं के रूप में सामने आई। ये नागा जैन और बौद्ध धर्म भी सनातन हिन्दू परम्परा से ही निकले थे। वन, अरण्य, नामधारी संन्यासी उड़ीसा के जगन्नाथपुरी स्थित गोवर्धन पीठ से संयुक्त हुए।

अखाड़ों की परंपरा

इन मठाम्नायों के साथ अखाड़ों की परम्परा भी लगभग इनकी स्थापना के समय से ही जुड़ गई थी। चारों पीठों की देशभर में उपपीठ स्थापित हुईं। कई शाखाएं-प्रशाखाएं बनीं, जहां धूनि, मढ़ी अथवा अखाड़े जैसी व्यवस्थाएं बनीं। जिनके जरिए, स्वयं संन्यासी पोथी, चोला का मोह छोड़ कर, थोड़े समय के लिए शस्त्रविद्या सीखते थे, साथ ही आमजन को भी इन अखाड़ों के जरिए आत्मरक्षा के लिए सामरिक कलाएं सिखाते थे। हिन्दुओं की आश्रम परम्परा के साथ अखाड़ों की परंपरा भी प्राचीनकाल से ही रही है। अखाड़ों का आज जो स्वरूप है उस रूप में पहला अखाड़ा 'अखंड आह्वान अखाड़ा' सन् 547 ई.में सामने आया। इसका मुख्य कार्यालय काशी में है और शाखाएं सभी कुम्भ तीर्थों पर हैं। मध्यकाल मे चारों पीठों से जुड़ी दर्जनों पीठिकाएं सामने आईं, जिन्हें मठिका कहा गया। इसका देशज रूप मढ़ी प्रसिद्ध हुआ। देशभर में दशनामियों की ऐसी कुल 52 मढ़ियां हैं, जो चारों पीठों द्वारा नियंत्रित हैं। इनमें सर्वाधिक 27 मठिकाएं गिरि दशनामियों की हैं, 16 मठिकाओं में पुरी नामधारी संन्यासी के अधीन हैं, 4 मढ़ियों में भारती नामधारी दशनामियों का वर्चस्व है और एक मढ़ी लामाओं की है। साधुओं में दंडी और गोसाईं दो प्रमुख भेद भी हैं। तीर्थ, आश्रम, भारती और सरस्वती दशनामी, दंडधर साधुओं की श्रेणी में आते हैं जबकि बाकी गोसाईं कहलाते हैं।

शंकराचार्य का दर्शन

शंकराचार्य के दर्शन को अद्वैत वेदांत का दर्शन कहा जाता है। शंकराचार्य के गुरु दो थे। गौडपादाचार्य के वे प्रशिष्य और गोविंदपादाचार्य के शिष्य कहलाते थे। शंकराचार्य का स्थान विश्व के महान दार्शनिकों में सर्वोच्च माना जाता है। उन्होंने ही इस ब्रह्म वाक्य को प्रचारित किया था कि 'ब्रह्म ही सत्य है और जगत माया।' आत्मा की गति मोक्ष में है। अद्वैत वेदांत अर्थात उपनिषदों के ही प्रमुख सूत्रों के आधार पर स्वयं भगवान बुद्ध ने उपदेश दिए थे। उन्हीं का विस्तार आगे चलकर माध्यमिका एवं विज्ञानवाद में हुआ। इस औपनिषद अद्वैत दर्शन को गौडपादाचार्य ने अपने तरीके से व्यवस्थित रूप दिया जिसका विस्तार शंकराचार्य ने किया। वेद और वेदों के अंतिम भाग अर्थात वेदांत या उपनिषद में वह सभी कुछ है जिससे दुनिया के तमाम तरह का धर्म, विज्ञान और दर्शन निकलता है।

शंकराचार्य परंपरा की शुरुआत

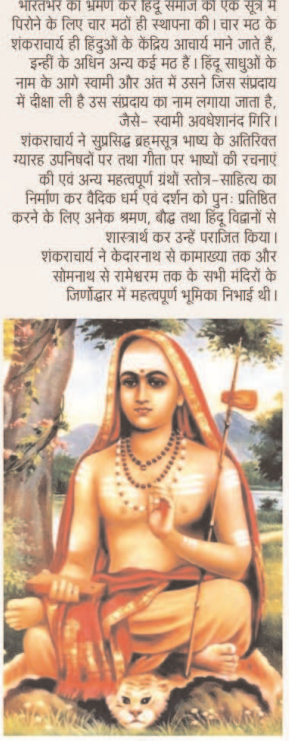

उन्होंने साधु समाज की अनादिकाल से चली आ रही धारा को पुनर्जीवित कर चार धाम की चार पीठ का गठन किया जिस पर चार शंकराचार्यों की परम्परा की शुरुआत हुई। इस छोटी-सी उम्र में ही उन्होंने भारतभर का भ्रमण कर हिंदू समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए चार मठों ही स्थापना की। चार मठ के शंकराचार्य ही हिंदुओं के केंद्रिय आचार्य माने जाते हैं, इन्हीं के अधिन अन्य कई मठ हैं। हिंदू साधुओं के नाम के आगे स्वामी और अंत में उसने जिस संप्रदाय में दीक्षा ली है उस संप्रदाय का नाम लगाया जाता है, जैसे- स्वामी अवधेशानंद गिरि।

शंकराचार्य ने सुप्रसिद्ध ब्रह्मसूत्र भाष्य के अतिरिक्त ग्यारह उपनिषदों पर तथा गीता पर भाष्यों की रचनाएं की एवं अन्य महत्वपूर्ण ग्रंथों स्तोत्र-साहित्य का निर्माण कर वैदिक धर्म एवं दर्शन को पुनः प्रतिष्ठित करने के लिए अनेक श्रमण, बौद्ध तथा हिंदू विद्वानों से शास्त्रार्थ कर उन्हें पराजित किया।

शंकराचार्य ने केदारनाथ से कामाख्या तक और सोमनाथ से रामेश्वरम तक के सभी मंदिरों के जिर्णोद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

देह त्याग

आदि शंकराचार्य के समय जैन राजा सुधनवा थे। उनके शासन काल में उन्होंने वैदिक धर्म का प्रचार किया। उन्होंने उस काल में जैन आचार्यों को शास्त्रार्थ के लिए आमंत्रित किया। राजा सुधनवा ने बाद में वैदिक धर्म अपना लिया था। राजा सुधनवा का ताम्रपत्र आज उपलब्ध है। यह ताम्रपत्र आदि शंकराचार्य की मृत्यु के एक महीने पहले लिख गया था। शंकराचार्य के सहपाठी चित्तसुखाचार्या थे। उन्होंने एक पुस्तक लिखी थी जिसका नाम है बृहतशंकर विजय। हालांकि वह पुस्तक आज उसके मूल रूप में उपलब्ध नहीं हैं लेकिन उसके दो श्लोक है। उस श्लोक में आदि शंकराचार्य के जन्म का उल्लेख मिलता है जिसमें उन्होंने 2631 युधिष्ठिर संवत में आदि शंकराचार्य के जन्म की बात कही है। गुरुरत्न मालिका में उनके देह त्याग का उल्लेख मिलता है। केदारनाथ मंदिर के पीछे उनकी समाधी है।

सार समाचार

तिल्दा में दो किलो गांजा जब्त, युवक गिरफ्तार

● रायपुर। ग्रामीण पुलिस के ऑपरेशन निश्चय के तहत तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस ने अंतर्राज्यीय आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से करीब 2 किलो 267 ग्राम गांजा बरामद किया है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक युवक गांजा बेचने की फिराक में है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम प्रज्वल किसन हुके (22), निवासी वर्धा (महाराष्ट्र) बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से सफेद थैले में रखा गांजा जब्त किया गया, जिसकी कीमत करीब 1.13 लाख रुपए आंकी गई है। आरोपी ने गांजे को सिलाई कर पेट पर बांधकर कपड़ों के अंदर छिपाया हुआ था। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में तिल्दा थाना टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

मालवीय मार्ग अतिक्रमणमुक्त 39 हजार रुपए का जुर्माना

● रायपुर। राजधानी में यातायात को सुगम बनाने के लिए चलाए जा रहे टीम प्रहरी अभियान के तहत गुरुवार को मालवीय मार्ग में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान करीब 10 ठेले और गुमटियों को हटाया गया, वहीं सड़क पर रखे कपड़ों सहित अन्य सामान जब्त किए गए।

नगर निगम और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने सड़क पर कब्जा जमाए लगभग 20 दुकानदारों पर कार्रवाई करते हुए करीब 39 हजार रुपए का ई-चालान भी किया। कार्रवाई से पहले दुकानदारों को समझाइश दी गई थी कि वे सड़क पर अतिक्रमण न करें, अन्यथा सख्ती बरती जाएगी।

अधिकारियों के मुताबिक, अभियान का उद्देश्य बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना और आम लोगों को जाम से राहत दिलाना है। लगातार चल रही इस कार्रवाई से शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात पहले से अधिक व्यवस्थित हो रहा है।

विधानसभा में पारित नगर एवं ग्राम निवेश संशोधन विधेयक 2026

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

छत्तीसगढ़ में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और सुव्यवस्थित विकास की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश (संशोधन) विधेयक 2026 को विधानसभा ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस संशोधन का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में अनियंत्रित विस्तार और अवैध प्लॉटिंग पर नियंत्रण स्थापित करते हुए योजनाबद्ध विकास को गति देना है।

सदन में चर्चा के दौरान वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि वर्तमान में नगर विकास योजनाएं तैयार करने और उनके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी मुख्यतः रायपुर विकास प्राधिकरण और नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण जैसे प्राधिकरणों पर निर्भर है। हालांकि, राज्य गठन के बाद विभिन्न कारणों से ऐसी योजनाओं की संख्या अपेक्षाकृत कम रही, जिससे कई शहरों में अव्यवस्थित विकास और अवैध प्लॉटिंग की समस्या बढ़ी है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में विभिन्न एजेंसियों की भागीदारी से नगर विकास योजनाओं के बेहतर परिणाम सामने आए हैं। विशेष रूप से अहमदाबाद में रिंग रोड जैसी प्रमुख परियोजनाएं योजनाबद्ध तरीके से विकसित की गई हैं।

वित्त मंत्री चौधरी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में भी रायपुर मास्टर प्लान के अंतर्गत एम.आर.-43 मार्ग का निर्माण नगर विकास योजना के माध्यम से किया जा रहा है, जो इस प्रणाली की उपयोगिता को दर्शाता है। संशोधन के तहत छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा-38 में बदलाव किया गया है। इसके अनुसार अब नगर विकास योजनाएं तैयार करने के लिए अधिकृत एजेंसियों के दायरे का विस्तार किया जाएगा। नगर तथा ग्राम विकास प्राधिकरणों के अलावा राज्य शासन के अभिकरणों और सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को भी इस कार्य के लिए अधिकृत किया जा सकेगा।

इस बदलाव के बाद छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल और छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम जैसे संस्थान भी नगर विकास योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में भागीदारी निभा सकेंगे। इससे योजनाओं की संख्या में वृद्धि होने के साथ-साथ औद्योगिक और आवासीय विकास को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

सुनियोजित शहरी विकास को बढ़ावा : चौधरी

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि इस विधेयक का मूल उद्देश्य राज्य में सुनियोजित शहरी विकास को बढ़ावा देना, अवैध प्लॉटिंग पर अंकुश लगाना और उद्योग व आवास के लिए व्यवस्थित भूखंडों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह संशोधन छत्तीसगढ़ के शहरी परिदृश्य को अधिक सुव्यवस्थित और विकासोन्मुख बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

राजस्व वसूली धीमी, 3 जोन को नोटिस

नगर निगम की राजस्व वसूली की स्थिति को लेकर आयुक्त विश्वदीप ने सख्ती दिखाई है। गुरुवार को निगम मुख्यालय में हुई समीक्षा बैठक में लक्ष्य से कम वसूली पर जोन 8, 9 और 10 को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने जोनवार और वार्डवार प्रगति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट कहा कि जिन प्रॉपर्टी आईडी से अब तक राजस्व वसूली नहीं हुई है, उनकी सूची बनाकर 23 मार्च तक राजस्व विभाग को सौंपना अनिवार्य है। उन्होंने सभी जोन कमिश्नरों को निर्देशित किया कि निगम के हित में लंबित वसूली पर तेजी से कार्रवाई करें। बैठक में आयुक्त ने चेतावनी दी कि निर्धारित लक्ष्य से कम वसूली पर जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने 31 मार्च 2026 तक सभी 10 जोनों को अधिकतम राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर आयुक्त, उपायुक्त, आईटी विशेषज्ञ सहित सभी जोन कमिश्नर और राजस्व अधिकारी मौजूद रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने वाला आरोपी ओडिशा से गिरफ्तार

रायपुर। सरस्वती नगर थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी खड़ाराजू उर्फ राजू सेन उर्फ रेमंड पिता संतोष सेन (29वर्ष) निवासी गांधी नगर शिव मंदिर के पास शंकर नगर, थाना सिविल लाईंस जिला रायपुर को ओडिशा के धरमगढ़ से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अप० क्र० 16/2026 के तहत धारा 296,351(2),115(2),137(2), 64,127(2), 3(5) बीएनएस एवं 04 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की है।

कुम्हारी में सड़क हादसा, ट्रेलर की चपेट में आने से युवक की मौत

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

रायपुर से दुर्ग लौट रहे शुभम गुप्ता की मौके पर ही दर्दनाक मौत

रायपुर से दुर्ग लौट रहे एक युवक की कुम्हारी में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। युवक स्कूटी से अपने घर जा रहा था, तभी रास्ते में एक तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान दुर्ग निवासी शुभम गुप्ता (37 वर्ष) के रूप में हुई है। शुभम किसी काम से रायपुर गए थे और वहां से वापस दुर्ग की ओर लौट रहे थे। जैसे ही वह कुम्हारी क्षेत्र में पहुंचे, तभी यह हादसा हो गया। हादसा कुम्हारी थाना क्षेत्र में बुधवार की देर रात हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रेलर भी रायपुर से दुर्ग की ओर आ रही थी। इसी दौरान स्कूटी ट्रेलर की चपेट में आ गया। बताया जा रहा है कि ट्रेलर के पीछे चक्के में स्कूटी सवार फंस गया था, जिससे उसकी मौत हो गई। स्कूटी काफी देर तक ट्रेलर के नीचे फंसी रही, जिसे बाद में पुलिस ने लोगों की मदद से बाहर निकाला। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

रेलवे ब्लॉक के कारण कई ट्रेनें रद्द, यात्रियों को होगी असुविधा

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल के हथबंद-भाटापारा सेक्शन में रोड अंडर ब्रिज निर्माण कार्य के तहत गर्डर डीलॉन्चिंग के कारण कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे प्रशासन द्वारा 21 मार्च की रात 11 बजे से 22 मार्च की सुबह 3 बजे तक 4 घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान कई यात्री गाड़ियों को रद्द करने का निर्णय लिया गया है।

रद्द रहने वाली गाड़ियां- 22 मार्च 2026 को रायपुर-बिलासपुर, बिलासपुर-गेवरा रोड, गेवरा रोड-बिलासपुर, बिलासपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर, कोरबा-रायपुर पैसेंजर और रायपुर-इतवारी पैसेंजर ट्रेनें रद्द रहेंगी। इसके अलावा 23 मार्च 2026 को इतवारी-रायपुर और रायपुर-बिलासपुर पैसेंजर ट्रेनें भी रद्द रहेंगी। रेल प्रशासन ने इस असुविधा के लिए खेद जताते हुए यात्रियों से सहयोग की अपील की है और कहा है कि यह कार्य अधोसंरचना विकास के लिए आवश्यक है।

आंशिक रूप से प्रभावित गाड़ियां

22 मार्च को गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू पैसेंजर बिलासपुर से ही संचालित होगी, जिससे गोंदिया से बिलासपुर के बीच यह ट्रेन रद्द रहेगी। वहीं झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर भी बिलासपुर तक ही सीमित रहेगी।

एक साल से फरार चोरी का आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

माना थाना क्षेत्र में सूने मकान में चोरी के मामले में एक साल से फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पहले से स्थाई वारंट भी जारी था।

पुलिस के अनुसार, धरमपुरा स्थित एक मकान का कुंदा उखाड़कर अंदर घुसकर अलमारी का ताला तोड़ते हुए नगदी, सोने-चांदी के जेवर और चांदी की मूर्ति चोरी की गई थी। मामले में सितंबर 2025 में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

जांच के दौरान पहले एक आरोपी को गिरफ्तार कर करीब 10 लाख रुपए का सामान बरामद किया जा चुका था। वहीं मुख्य आरोपी विजय जांगड़े घटना के बाद से फरार चल रहा था।

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और माना थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने लगातार दबिश देकर आरोपी की तलाश की। सूचना मिलने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मोपेड में शराब तस्करी, युवक गिरफ्त में

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

खमतराई थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से बड़ी मात्रा में देशी और विदेशी शराब के साथ मोपेड भी जब्त किया गया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि भनपुरी से मेटल पार्क रावांभाठा की ओर एक युवक मोपेड में अवैध शराब लेकर जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आर्य स्मात प्रा.लि. रोड के पास आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सूर्यप्रकाश मरकाम (26), निवासी बिलासपुर हाल मोहाडीह, रायपुर बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 81 पौवा देशी शराब और 39 पौवा गोल्डन गोवा सुपीरियर व्हिस्की बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा 21.6 बल्क लीटर है। शराब परिवहन के संबंध में वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई की।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से शराब और घटना में प्रयुक्त टीवीएस जूपिटर मोपेड सहित कुल 52,780 रुपए का सामान जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

मंदिरहसौद में नशीली टेबलेट का कारोबारी आया चंगुल में

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

ग्रामीण पुलिस के ऑपरेशन निश्चय के तहत मंदिरहसौद थाना क्षेत्र में नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट ट्रामाडोल बरामद की है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि परसदा के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से नशीली टेबलेट लेकर घूम रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम ईश्वर धृतलहरे (50), निवासी परसदा बताया।

तलाशी के दौरान आरोपी के दोपहिया वाहन से 200 नग प्रतिबंधित ट्रामाडोल टेबलेट बरामद की गई। दस्तावेज मांगने पर आरोपी कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका और पुलिस को गुमराह करने का प्रयास करता रहा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से टेबलेट और एक दोपहिया वाहन जब्त किया है, जिसकी कुल कीमत करीब 85 हजार रुपए बताई जा रही है। मामले में नारकोटिक एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वाहन चोर गिरोह धराया, 11 बाइक बरामद

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

राजधानी में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर चोरों और एक अवैध चाबी बनाने वाले को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 11 दोपहिया वाहन बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत करीब 4.40 लाख रुपए आंकी गई है।

खम्हारडीह थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि कचना स्थित शराब दुकान के पास कुछ युवक चोरी के वाहन बेचने की फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अलग-अलग क्षेत्रों से वाहन चोरी करना स्वीकार किया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी प्रोफेशनल तरीके से वाहन चोरी करते थे और मोवा निवासी एक व्यक्ति से अवैध रूप से चाबी बनवाकर चोरी की गाड़ियों का इस्तेमाल करते थे। आरोपियों की निशानदेही पर अलग-अलग स्थानों से 11 बाइक बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपियों में कुलदीप गेंडरे उर्फ जानू (21), करण साहू उर्फ बाका (20) और शेख स्वालेह (40) शामिल हैं। मामले में बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज कर अन्य बरामद वाहनों के संबंध में अलग से कार्रवाई की जा रही है।

मनीपाल अस्पताल में चोरी का खुलासा, आरोपी पकड़ाया

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

विधानसभा थाना क्षेत्र स्थित गिनीदेवी गोयल मनीपाल हॉस्पिटल में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी गया लैपटॉप और हार्डडिस्क बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी अर्नव चक्रवर्ती ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 17 मार्च की रात ऑफिस बंद कर घर जाने के बाद अज्ञात चोर खिड़की के रास्ते अंदर घुसा और लैपटॉप व हार्डडिस्क चोरी कर ले गया। घटना के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिरों की मदद से आरोपी की पहचान की। इसके बाद विधानसभा क्षेत्र निवासी रूद्रांश श्रीवास्तव उर्फ टीशू (21) को पकड़कर पूछताछ की गई, जिसमें उसने चोरी की घटना कबूल कर ली।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 70 हजार रुपए कीमत का चोरी गया सामान बरामद कर लिया है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।